



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 167]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 3, 2014/आषाढ़ 12, 1936

No. 167]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 3, 2014/ASADHA 12, 1936

**वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)
अधिसूचना**

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 2014

अंतिम जांच - परिणाम

विषय: चीन जन.गण. में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित सल्फर ब्लैक के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा

सं.15/18/2012-डी जी ए डी:—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित, उसके अंतर्गत बनी सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

2. यतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन-गण (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध देश कहा गया है) में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित सल्फर ब्लैक (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों से सम्बंधित मूल जांच दिनांक 26 जून, 2007 की अधिसूचना संख्या 14/16/2006 डी जी ए डी के तहत प्रारम्भ की थी। प्राधिकारी द्वारा प्रारम्भिक जांच परिणाम दिनांक 10 मार्च, 2008 की अधिसूचना सं. 14/16/2006-डी जी ए डी के तहत जारी किया गया था और राजस्व विभाग द्वारा दिनांक 11 अप्रैल, 2008 की अधिसूचना सं. 48/2008-सीमाशुल्क के तहत अनंतिम पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया गया था। प्राधिकारी ने निर्णायक शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हुए दिनांक 24 सितम्बर, 2008 की अधिसूचना संख्या 14/16/2006-डी जी ए डी के तहत अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना जारी की थी। प्राधिकारी द्वारा उस अन्तिम जांच परिणाम अधिसूचना में दिनांक 22 अक्टूबर, 2008 की शुद्धिपत्र अधिसूचना के तहत पुनः संशोधन किया गया। इस अन्तिम जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर राजस्व विभाग द्वारा

दिनांक 03 सितम्बर, 2008 की अधिसूचना संख्या 127/2008 के तहत, सम्बद्ध देश में उद्यवित अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किया गया था।

3. यतः मैसर्स अतुल लिमिटेड और मैसर्स भानु डाईज प्राइवेट लिमिटेड ने अधिनियम एवं नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से एक आवेदनपत्र, पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने की स्थिति में पाटन तीव्र होने तथा उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति और अधिक होने की संभावना का आरोप लगाते हुए दायर किया तथा सम्बद्ध देश में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की निरन्तरता बनाए रखने और उसमें संवृद्धि की समीक्षा करने के लिए अनुरोध किया है।

4. घरेलू उद्योग की ओर से दायर विधिवत साक्ष्यांकित आवेदन पत्र को ध्यान में रखते हुए तथा पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार प्राधिकारी ने सम्बद्ध देश में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के बारे में शुल्क के सतत अधिरोपण की आवश्यकता की समीक्षा करने और यह जांच करने के लिए कि क्या उक्त शुल्क को समाप्त कर देने से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति की निरन्तरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, दिनांक 04 अप्रैल, 2013 की अधिसूचना के तहत एक निर्णायक समीक्षा जांच प्रारंभ की। केन्द्रीय सरकार ने सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की वैधता दिनांक 10.04.2013 की अधिसूचना संख्या 05/2013-सीमाशुल्क (एडीडी) के तहत दिनांक 10.04.2014 तक बढ़ा दी है।

5. वर्तमान समीक्षा के दायरे में सम्बद्ध देश में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित विगत जांच के सभी पहलू कवर होते हैं।

ख. प्रक्रिया

6. सम्बद्ध जांच के सम्बद्ध में निम्नलिखित वर्णित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है:

- i. इस जांच की शुरुआत के संबंध में सम्बद्ध देश के नई दिल्ली स्थित राजदूतावास को नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार सूचित किया गया।
- ii. प्राधिकारी ने प्रमुख नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार आवेदन पत्र के अगोपनीय पाठ की प्रतियां सम्बद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों और राजदूतावास को उपलब्ध कराईं। आवेदनपत्र के अगोपनीय पाठ की एक प्रति सार्वजनिक फाइल में भी उपलब्ध कराई गई तथा उसे अनुरोध करने पर, अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी प्रदान किया गया।
- iii. प्राधिकारी ने सार्वजनिक नोटिस की एक प्रति चीन जन गण के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) निम्नवत प्रेषित की और उन्हें नियम 6(2) तथा नियम 6(4) के अनुसार इस पत्र की प्राप्ति की तारीख से चालीस दिनों के अन्दर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराने का अवसर प्रदान किया:

(क) शांक्सी लिन्फेन कैमिकल्स डाइंग कम्पनी लिमिटेड

(ख) शाओंक्सिंग सन्डे टैक्सटाइल्स एण्ड कैमिकल्स कम्पनी लिमिटेड

(ग) डालियान डाइकेन इण्टरनेशनल कारपोरेशन

(घ) एफाइन कैमिकल्स लिमिटेड

(ङ) टियान्जिन कैयी कैमिकल्स फैक्टरी

(च) डालियान हुआजिआंग फाइन कैमिकल्स कम्पनी लिमिटेड

(छ) हेंघझोऊ रूईजिआंग कैमिकल्स कम्पनी लिमिटेड

(ज) टियांजिन टाइगर इन्टरनेशनल कम्पनी लिमिटेड

(झ) झेन्गडिंग शेन्गुओ कैमिकल्स फैक्टरी

(ञ) टांगशान सी एण्ड एम ट्रेनिंग कम्पनी लिमिटेड

(ट) टिआन्जिन जिबीअर इन्टरनेशनल कम्पनी लिमिटेड

- iv. तथापि, निर्यातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर केवल टोंगलिआओ हाइयु कैमिकल टेक्नालॉजी कम्पनी (उत्पादक) तथा डालियान डाई कैम इन्टरनेशनल कारपोरेशन (निर्यातक) से ही प्राप्त हुआ।
- v. सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और चीन जन गण के राजदूतावास को एक बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा (एम ई टी) प्रश्नावली भी इस अनुरोध के साथ दायर की गई कि वे प्राधिकारी को संगत जानकारी निर्धारित समय-सीमा के अन्दर उपलब्ध कराएं। हालांकि, इस जांच शुरुआत के प्रयोजनार्थ चीन जन गण में सामान्य मूल्य पर विचार, भारत में सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत, विधिवत समायोजित करके, के आधार पर किया गया, तथापि प्राधिकारी ने चीन जन गण के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को सूचित किया कि उनका प्रस्ताव आवेदक के दावे की जांच यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 और पैरा 8 के आलोक में करना है। अतः चीन जन गण के सम्बद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों से पैराग्राफ के उप-पैराग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया जिससे कि प्राधिकारी यह विचार कर सके कि क्या सहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रदान किया जा सकता है। तथापि, टोंगलिआओ हाइयु कैमिकल टेक्नालॉजी कम्पनी लिमिटेड (उत्पादक) और डालियान डाई कैम इन्टरनेशनल कारपोरेशन (निर्यातक) सहित चीन के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने एम ई टी प्रत्युत्तर दायर नहीं किया और बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा नहीं किया है।
- vi प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सम्बद्ध वस्तु के भारत में निम्नलिखित ज्ञात आयातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को प्रेषित की और उन्हें इस पत्र के जारी होने की तारीख से चालीस दिन के अन्दर अपने विचार नियम 6(4) के अनुसार प्रेषित करने का सुझाव दिया:
 - i. गंगा इन्टरनेशनल
 - ii. हरियाणा रंग उद्योग प्राइवेट लिमिटेड
 - iii. पार्थ इन्टरप्राइजेज
 - iv. खन्ना डाई इण्डस्ट्रीज
 - v. नताली डायकेम प्राइवेट लिमिटेड
 - vi. ग्लोब पालीयर्स एण्ड कैमिकल्स
- Vii निर्यातकों के सत्यापन के पश्चात् हरियाणा रंग उद्योग प्राइवेट लिमिटेड और आयुषी इन्टरप्राइजेज द्वारा आयातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया गया।
- viii. प्राधिकारी ने जांच शुरुआत अधिसूचना की एक प्रति सल्फर ब्लैक मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन तथा भारत में सम्बद्ध वस्तु के निम्नलिखित अन्य ज्ञात उत्पादकों को भी प्रेषित की:
 - i. आपको डायकेम प्राइवेट लिमिटेड
 - ii. राजस्थान डाय एण्ड कैमिकल्स
 - iii. खेकड़ा कैमिकल्स
 - iv. महादेव डाय एण्ड कैम (प्रा.) लिमिटेड
 - v. मौलिक डायकेम
 - vi. नितिन इण्डस्ट्रीज

- vii. एस एफ डाइज प्राइवेट लिमिटेड
- ix. तथापि, अन्य ज्ञात उत्पादकों से इस याचिका के समर्थन में अथवा उसके विरोध में कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ।
- x. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पी ओ आई) 01 जनवरी, 2012 से 31 दिसम्बर, 2012 (पी ओ आई) है। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 2009-10, 2010-11, 2011-12 और जांच की अवधि भी शामिल होगी।
- xi. जांच की अवधि सहित क्षति अवधि के लिए इस सम्बद्ध वस्तु के आयातों का विवरण उपलब्ध कराने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एण्ड एस) से अनुरोध किया गया। घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुत किया कि आयातों की मात्रा को चीन के सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुरूप अपनाया जाना चाहिए क्योंकि वे उच्चतर मात्रा को रिपोर्ट करते हैं। तथापि, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में डी जी सी आई एण्ड एस आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- xii. उन निर्यातकों, उत्पादकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को, जिन्होंने प्राधिकारी को न ही कोई प्रत्युत्तर दिया और न ही इस जांच से संगत सूचना प्रदान की, असहयोगकर्ता हितबद्ध पक्षकार के रूप में माना गया।
- xii. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय पाठ की एक प्रति नियम 6(7) के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए एक सार्वजनिक फाइल में खुली रखी।
- xiv. प्राधिकारी ने सम्बद्ध वस्तु की भारत में उत्पादन लागत और गैर क्षतिकारी कीमत की गणना करने के लिए अनुबंध-III में निर्धारित दिशानिर्देशों के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की यथासंभव सीमा तक जांच की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xv. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने दिनांक 03 दिसम्बर, 2013 को आयोजित एक सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त करने के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान किया गया। इस मौखिक सुनवाई में घरेलू उद्योग तथा उनके प्रतिनिधियों और टोंगलिआओ हाइयु कैमिकल टेक्नालोजी कम्पनी लिमिटेड और डालियान डाय केम इण्टरनेशनल कारपोरेशन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस मौखिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त करने वाले पक्षकारों से अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से अभिव्यक्त अपने विचारों का लिखित प्रस्तुतीकरण भी करें। टोंगलिआओ हाइयु कैमिकल कम्पनी लिमिटेड और डालियान डाय केम इण्टरनेशनल कारपोरेशन ने कोई लिखित प्रस्तुतीकरण दायर नहीं किया, परन्तु उन्होंने घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण की प्रत्युक्ति प्रस्तुत की।
- xvi. राजस्व विभाग ने अपने दिनांक 30.04.2014 के पत्र संख्या 354/39/2008-टी आर यू (पी टी-1) के तहत यह जांच पूरी करने के लिए समयावधि दिनांक 03.07.2014 तक बढ़ा दी।
- xvii. प्राधिकारी ने पदधारी निर्दिष्ट प्राधिकारी में परिवर्तन होने के परिणामस्वरूप और वर्ष 2006 की सिविल अपील संख्या 949 के तहत आटोमोटिव टायर मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन (एटी एम ए) मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिनांक 07 जनवरी, 2011 को दिए गए निर्णय के अनुरूप हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 12 जून, 2014 को मौखिक सुनवाई का एक अन्य अवसर प्रदान किया। घरेलू उद्योग तथा एक आयातक नामशः आयुषी इण्टरप्राइजेज के प्रतिनिधियों के सिवाय इस द्वितीय मौखिक सुनवाई में किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई प्रतिभागिता नहीं की।

- xviii. जांच की कार्रवाई के दौरान घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतीकरणों की जांच की गई और उनका इस अन्तिम जांच परिणाम में समाधान कर दिया गया।
- xix. घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना तथा आंकड़ों का स्थल सत्यापन आवश्यक समझी गई सीमा तक किया गया।
- xx. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने यथावच्छिन्न गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया तथा ऐसी सूचना को गोपनीयता के रूप में माना गया और उस सूचना का अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया। गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को, जहां कहीं संभव हुआ, यह निदेश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपान्तर भी प्रस्तुत करें।
- xxi. जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान किसी आवश्यक सूचना तक पहुंच की मनाही की है अथवा अन्यथा कोई जरूरी सूचना प्रदान नहीं कराई है अथवा इस जांच में पर्याप्त अवरोध उत्पन्न किया है, वहां प्राधिकारी ने इन अनिवार्य को उपलब्ध तथ्यों के आधार पर रिकॉर्ड किया है और ऐसे पक्षकार को असहयोगकर्ता पक्षकार के रूप में माना है।
- xxii. प्रमुख नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी ने अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 28 जून, 2014 को जारी प्रकटन विवरण के तहत किया और उन पर प्राप्त टिप्पणियों की प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक जांच की गई और उनका इस अंतिम जांच परिणाम में समाधान कर दिया गया है।
- xxiii. इस अंतिम जांच परिणाम में एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का प्रतिनिधित्व करता है और इसलिए उसे प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अंतर्गत गोपनीय के रूप में माना गया है।
- xxiv. इस जांच की अवधि के दौरान विनिमय दर प्राधिकारी द्वारा 53.69/- रु = 1 यू एस डालर मानी गई है।

**ग. विचाराधीन उत्पाद का दायरा एवं समान वस्तु
घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण**

7. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के सम्बन्ध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण किए गए हैं:-

- i. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सल्फर ब्लैक है। यह विचाराधीन उत्पाद मूल जांच में यथापरिभाषित विचाराधीन उत्पाद के समान ही है।
- ii. सल्फर ब्लैक का मुख्यतः प्रयोग सेल्यूलोज फाइबर को रंगने के लिए किया जाता है। सल्फर ब्लैक विस्कोस स्टेबल फाइबर और यार्न को रंगने के लिए उपयोगी माना जाता है।
- iii. इस उत्पाद की बिक्री विभिन्न संकेन्द्रणों में की जाती है जिसका अंतर न्यूनतम 20 प्रतिशत से अधिकतम 100 प्रतिशत तक होता है, जबकि इनमें से सर्वाधिक लोकप्रिय संकेन्द्रण 80 प्रतिशत है। इन्हें बी आर 100, बी आर 200, बी आर 240 के रूप में वर्णित किया जाता है। बी आर 240, 100 प्रतिशत संकेन्द्रण का प्रतिनिधित्व करता है। यद्यपि इस उत्पाद का उत्पादन विभिन्न संकेन्द्रणों में किया जाता है तथापि उनका अन्तर्निमेय रूप से प्रयोग किया जा सकता है।
- iv. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु तथा सम्बद्ध देश से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अन्तर नहीं है। याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु तथा सम्बद्ध देश से आयातित सम्बद्ध वस्तु भौतिक एवं तकनीकी विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के प्रशुल्क वर्गीकरण

के रूप में तुलनीय है। दोनों ही उत्पाद तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्तागण इन दोनों ही उत्पादों का प्रयोग अन्तर्निमेय रूप से कर रहे हैं। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु तथा सम्बद्ध देश से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अन्तर नहीं है और इसलिए दोनों ही उत्पाद समान वस्तु है।

उत्पादकों/निर्यातकों/हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण

8. विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) तथा समान वस्तु के संबंध में प्रत्युत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई भी पुस्तुतीकरण नहीं किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

9. मूल एवं वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) चीन जन गण में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित “सल्फर ब्लैक” है। सल्फर ब्लैक का उत्पादन दाना/फ्लेक रूप में या द्रव रूप में किया जाता है। दाने के रूप में उत्पादित सल्फर ब्लैक चमकदार दाना होता है और यह हल्के से लाल या हरे टोन सहित पूर्ण काला शेड प्रदान करता है। सल्फर ब्लैक का प्रयोग मुख्यतः सेल्युलोज फाइबर को रंगने के लिए किया जाता है। सल्फर ब्लैक का प्रयोग विस्कोस स्टैपल फाइबर और यार्न कागज एवं चमड़े को रंगने के लिए भी किया जाता है। वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा होने के कारण, इसमें विचाराधीन उत्पाद वहीं रहेगा जो मूल जांच में था।

10. सल्फर ब्लैक को सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम 1975 के अध्याय 32 के अंतर्गत उपशीर्षक संख्या 3204 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

घ. घरेलू उद्योग एवं आधार

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण

11. घरेलू उद्योग का दायरा एवं आधार के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण किए गए हैं:-

- i. यह याचिका सल्फर ब्लैक के दो बड़े उत्पादकों अर्थात् मैसर्स अतुल लिमिटेड और मैसर्स भानु डाइज लिमिटेड, जो घरेलू उद्योग हैं, द्वारा दायर की गई है।
- ii. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के अनुसार सम्बद्ध वस्तु के आठ अन्य घरेलू उत्पादक हैं जो निम्नलिखित हैं:-

आपको डायकेम प्राइवेट लिमिटेड	महादेव डायज एवं कैमिकल्स इंडस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड
राजस्थान डाय एंड कैमिकल्स	मौलिक डायकेम
एस. एम. कैमिकल्स	नितिन इण्डस्ट्रीज
खेकड़ा कैमिकल्स	एस एफ डाइज प्राइवेट लिमिटेड

- iii. याचिकाकर्ता कम्पनियों में से एक ने भारत सरकार की शुल्क छूट योजना के अन्तर्गत सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु का आयात, उसके अधोगामी उत्पाद का उत्पादन निर्यात करने के लिए किया है। तथापि किसी भी याचिकाकर्ता कम्पनी का सम्बंध, सम्बद्ध वस्तु के उत्पादक-निर्यातक या आयात से प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से नहीं है। यह अनुरोध किया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी दोनों ही घरेलू उत्पादकों को पात्र घरेलू उद्योग के रूप में मान सकते हैं।
- iv. याचिकाकर्ताओं का उत्पादन कुल घरेलू उत्पादन के 77 प्रतिशत उत्पादन से अधिक बनता है और इसलिए वह कुल भारतीय उत्पादन का एक बड़ा भाग है और वह घरेलू उद्योग के रूप में प्रतिष्ठापित होता है और उनका पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में वर्तमान याचिका दायर करने एवं उसका अनुरक्षण करने का आधार बनता है।

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण

12. घरेलू उद्योग का दायरा एवं आधार के संबंध में प्रत्युत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई प्रस्तुतीकरण नहीं किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में निम्नलिखित प्रावधान हैं:-

“(ख) “घरेलू उद्योग का आशय समग्र रूप से उन घरेलू उत्पादकों से होता है जो समान वस्तु का विनिर्माण करने में और उससे जुड़ी किसी गतिविधि में अंतर्गस्त हों या उन उत्पादकों से होता है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता हो, केवल तब को छोड़कर जब ये उत्पादक कथित पाटित वस्तु के आयातकों या निर्यातकों से सम्बद्ध हों या उसके स्वयं आयातक हों, ऐसे मामले में वाक्यांश “घरेलू उद्योग” का प्रयोग शेष उत्पादकों के रूप में किया जा सकता है।”

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह आवेदन पत्र अतुल लिमिटेड और भानु डाईज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है जिनका उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि भानु डाईज प्राइवेट लिमिटेड ने जांच की अवधि के दौरान सल्फर ब्लैक की कुछ मात्रा का आयात शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत किया था। शुल्क छूट के अंतर्गत किए गए ये शुल्क मुक्त आयात निर्यात के प्रयोजनार्थ वस्तु का विनिर्माण करने के लिए किए गए थे और इन शुल्क मुक्त आयातों का व्यापार में प्रयोग नहीं किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने इस सम्बद्ध में कोई आपत्ति नहीं की है।

15. उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर तथा पाटनरोधी नियमावली को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि मैसर्स अतुल लिमिटेड और मैसर्स भानु डाईज लिमिटेड का उत्पादन जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता है और वे नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग हैं तथा पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार वे आधार के मानदण्ड को सतुष्ट करते हैं।

ड. बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन**घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण**

16. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण निम्नलिखित हैं:-

- i. डब्ल्यू टी ओ सदस्य देशों में से किसी ने चीन के उत्पादकों को संगत मानदंडों का, जिसमें उप पेराग्राफ 8 में निर्धारित मानदंड भी शामिल हैं, अद्यतन विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है। चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। चीन का कोई भी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे को पूरा नहीं कर सका है।
- ii. सम्बद्ध देश के निर्यातकों और उत्पादकों ने पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण होने के बावजूद पाटित कीमतों पर सामान का निर्यात करना जारी रखा। पाटित आयातों की मात्रा और पाटन मार्जिन पाटनरोधी शुल्क के बावजूद भी बहुत अधिक है।
- iii. डालियान डाइकेम ने इस तथ्य को छुपाया है कि उसकी एक सम्बद्ध कम्पनी अर्थात् डालियान ग्रीनपीक कैमिकल्स कम्पनी लिमिटेड है, जो सम्बद्ध वस्तु की उत्पादक है और जिसने मूल जांच में प्रतिभागिता की थी। अतः प्रतिवादी कम्पनियों द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर नामंजूर कर दिए जाने के योग्य है और प्रतिवादी पक्षकारों को असहयोगकर्ता निर्यातक के रूप में माना जाना चाहिए।

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण

17. प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण किए गए हैं:-

- i. डालियान ग्रीनपीक कैमिकल्स कम्पनी लिमिटेड, जिसने मूल जांच में प्रतिभागिता की थी, ने जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन बंद कर दिया। अतः निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करने की जरूरत नहीं है।
- ii. टान्गलिआओ हाइयु कैमिकल्स टेक्नालोजी कम्पनी लिमिटेड (उत्पादक) और डालियान डाइकेम इंटरनेशनल कारपोरेशन (निर्यातक) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को भरपूर सहयोग दिया।

- iii. डालियान डाइकेम इण्टरनेशनल कारपोरेशन (निर्यातक) द्वारा परिशिष्ट-2 में रिपोर्ट किया गया बीजक मूल्य चीन के सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा यथारिपोर्ट वास्तविक बीजक मूल्य के अनुरूप है। अतः प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह निर्यातक द्वारा रिपोर्ट किए गए के अनुसार वास्तविक बीजक मूल्य का अपनाएं- न कि भारतीय सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा रिपोर्ट किए गए बीजक मूल्य को डालियान डाइकेम इण्टरनेशनल कारपोरेशन डी जी सिस्टम द्वारा रिपोर्ट किए गए बिक्री आंकड़ों और उनके द्वारा रिपोर्ट किए गए बिक्री आंकड़ों के बीच किसी विसंगति के कारणों को प्रदान नहीं कर सका है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

18. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में भारत तथा विश्व व्यापार संगठन के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांच में चीन जन गण को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। चीन जन गण को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस प्रकल्पना के खण्डन के अध्यधीन माना गया है।

19. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध -1 के पैराग्राफ 8 के अंतर्गत यदि चीन जन गण के निर्यातक पैराग्राफ-8 के उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करते हैं और इसके विपरीत तथ्यों को सिद्ध करते हैं तो गैर बाजार अर्थव्यवस्था की प्रकल्पना का खण्डन कर सकते हैं। चीन जनवादी गणराज्य के संबंध वस्तु के सहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में यथा-उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करना अपेक्षित होता है जिससे कि प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार करने में सक्षम हो सकें कि क्या:

- क) चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का कीमत, लागत और इनपुट जिसमें कच्चा माल शामिल है, प्रौद्योगिकी एवं श्रम की लागत, आउटपुट, बिक्री और निवेश के संबंध में निर्णय बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में किए जाते हैं जिसमें मांग एवं आपूर्ति परिलक्षित होती है और इस संबंध में राज्य द्वारा कोई बड़ा हस्तक्षेप नहीं किया जाता है और क्या बड़े इनपुटों की लागत पर्याप्ततः बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती है।
- ख) इन फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विगत गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली, खासकर परिसंपत्तियों के अवक्षयण, अन्य बट्टे खोते में डाले गए, विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति द्वारा भुगतान से किए गए भारी विकृतियों के अध्यधीन है।
- ग) ऐसी फर्में दिवालियापन और सम्पत्ति विधियों के अध्यधीन होती है जो इन फर्मों के प्रचालन को स्थिरता और विधिक निश्चितता की गारंटी प्रदान करती है।
- घ) विनिमय दर संपरिवर्तन बाजार दर पर किया जाता है।

20. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में चीन की किसी भी प्रतिवादी कम्पनी ने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा (एम ई टी) प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है और गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रकल्पना का खण्डन नहीं किया है। अतः प्राधिकारी वर्तमान जांच में चीन की किसी भी कम्पनी को एम ई टी का दर्जा प्रदान नहीं करते हैं।

21. जहां तक वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में डालियान ग्रीन पीक कैमिकल कम्पनी लिमिटेड, जिसने मूल जांच में सम्बद्ध वस्तु के उत्पादक के रूप में प्रतिभागिता की थी, प्रतिभागिता न किए जाने के मुद्दे का संबंध है, डालियान डाइकेम इण्टरनेशनल कारपोरेशन, चीन जन गण द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर (ई क्यू आर) में उपलब्ध सूचना से यह माना जाता है कि डालियान डाइकेम इण्टरनेशनल कारपोरेशन, चीन जन गण और डालियान ग्रीन वीक कैमिकल कम्पनी लिमिटेड सम्बद्ध कम्पनियां हैं। डालियान डाइकेम इण्टरनेशनल कारपोरेशन द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डालियान ग्रीनपीक कैमिकल कम्पनी लिमिटेड ने जांच की अवधि के दौरान सल्फर ब्लैक का उत्पादन करना बंद कर दिया है।

22. जहां तक चीन के संबंधित निर्यातक द्वारा दावाकृत निर्यात मूल्य और सीमा शुल्क प्राधिकारी (डी जी सिस्टम्स) के डाटाबेस में रिपोर्ट किए गए आयात मूल्य के बीच विसंगति से संबंधित मुद्दे का प्रश्न है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की कार्रवाई के दौरान चीन के संबंधित निर्यातक द्वारा घोषित निर्यात मूल्य और भारत के संबंधित आयातक द्वारा घोषित आयात मूल्य के बीच सकल अन्तर नोट किया गया था। चीन के संबंधित निर्यातक को इस विसंगति का स्पष्टीकरण देने और इसे युक्तियुक्त ठहराने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था परन्तु

दस्तावेजी साक्ष्य सहित कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रदान नहीं किया गया। अतः प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन के संबंधित निर्यातक द्वारा प्रस्तुत निर्यात आंकड़ों तथा भारत के संबंधित आयातक द्वारा प्रस्तुत आयात आंकड़ों के बीच अस्पष्ट विसंगति मौजूद है।

च. सामान्य मूल्य का निर्धारण

23. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन गण के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा (एम ई टी) प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी चीन की उपरिनामित कम्पनियों के लिए अनुबंध-1 का पैरा 8 लागू करने की स्थिति में नहीं हैं और प्राधिकारी को आगे की कार्रवाई नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार कार्रवाई करनी पड़ी है।

24. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 7 में निम्नलिखित प्रावधान है:

“गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश में कीमत या निर्मित मूल्य के आधार पर या ऐसे तृतीय देश से किसी अन्य देश, जिसमें भारत भी शामिल है, को कीमत के आधार पर किया जाएगा अथवा जहाँ यह संभव न हो या किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर जिसमें समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से संदत्त या संदेय कीमत के आधार पर किया जाएगा, जिसमें तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए, यदि जरूरी हुआ तो, विधिवत समायोजन किया गया हो।”

25. इन नियमों के अनुसार चीन जन गण में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित आधार पर किया जा सकता है:-

क) बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश में कीमत के आधार पर, या

ख) बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश में निर्मित मूल्य के आधार पर, या

ग) ऐसे तृतीय देश से भारत सहित अन्य देश को कीमत के आधार पर, या

घ) यदि उपर्युक्त उल्लिखित विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं जिसमें तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए समान उत्पाद हेतु विधिवत समायोजित भारत में वास्तविक रूप से संदत्त या संदेय कीमत शामिल है।

26. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि तृतीय देश की लागत और कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए घरेलू बिक्रियों के संबंध में सम्पूर्ण एवं विस्तृत आंकड़े या तृतीय देश की निर्यात बिक्री और ऐसे उत्पादकों का तृतीय देश में सहयोग एवं उनकी उत्पादन लागत अपेक्षित होती है। इन बाजारों में व्याप्त कीमती और लागत के संबंध में ऐसी कोई सूचना न तो किसी आवेदक द्वारा या प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई है और न ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध किसी सूचना तक पहुँच बनाई जा सकी और न ही चीन की किसी प्रतिवादी कम्पनी ने समुचित बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के संबंध में कोई दावा प्रस्तुत किया है। तदनुसार प्राधिकारी किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर विनिर्मित सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए कार्रवाई करते हैं।

27. उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर, प्राधिकारी चीन जन गण के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के द्वितीय परन्तुक में उल्लिखित शर्तों के अनुरूप उपलब्ध तथ्यों के आधार पर करते हैं। तदनुसार, विचाराधीन उत्पाद के लिए एक्स-वर्क्स सामान्य मूल्य का निर्धारण विनिर्मित उत्पादन लागत के आधार पर, उसमें बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभों का विधिवत समायोजन करके किया है। तदनुसार, चीन के निर्यातकों के लिए विनिर्मित सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नवत किया गया है:-

छ. निर्यात कीमत का निर्धारण

टांगलिआओ हाइयू कैमिकल टेक्नोलोजी कम्पनी लिमिटेड (उत्पादक) तथा डालिआन डाई केम इण्टरनेशनल कारपोरेशन (निर्यातक)

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि टांगलिआओ हाइयू कैमिकल टेक्नोलोजी कम्पनी लिमिटेड, चीन जन गण (उत्पादक) और डालिआन डाई केम इण्टरनेशनल कारपोरेशन, (निर्यातक) ने वर्तमान जांच में पृथक मर्गिनों का दावा करते हुए निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है। जांच की कार्रवाई के दौरान चीन के संबंधित निर्यातक द्वारा घोषित निर्यात मूल्य तथा सम्बन्धित भारतीय आयातक द्वारा घोषित आयात मूल्य के बीच एकल अन्तर नोट किया गया था। प्राधिकारी द्वारा सम्बद्ध निर्यातक को इस विसंगति का स्पष्टीकरण देने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था परन्तु संबंधित निर्यातक ने किसी दस्तावेजी साक्ष्य युक्त कोई संतोषजनक उत्तर प्रदान नहीं किया। चीन के संबंधित निर्यातक द्वारा प्रस्तुत निर्यात आंकड़ों और संबंधित भारतीय आयातकों द्वारा प्रस्तुत आयात आंकड़ों तथा भारतीय सीमाशुल्क प्राधिकारी (डी जी, सिस्टम्स) द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के बीच अस्पष्ट सकल विसंगति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी डालिआन डाईकेम इण्टरनेशनल कारपोरेशन, चीन जन गण (निर्यातक) द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों/सूचना को भरोसेमंद के रूप में नहीं मानते हैं और इसलिए टांगलिआओ हाइयू कैमिकल टेक्नोलोजी कम्पनी लिमिटेड चीन जन गण द्वारा उत्पादक डालिआन डाई केम इण्टरनेशनल कारपोरेशन, चीन जन गण द्वारा संबंध वस्तु के लिए गए निर्यात पर निर्यात कीमत तथा व्यक्तिगत मार्जिन का निर्धारण करने के लिए विचार नहीं करते हैं।

29. अतः, प्राधिकारी ने चीन जन गण के सभी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) में उल्लिखित शर्तों के अनुरूप उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निम्नवत करते हैं।

ज. पाटन मार्जिन का निर्धारण

30. ऊपर यथानिर्धारित फैक्टरी बाह्य स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करते हुए सम्बद्ध देश के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नवत किया गया है:-

विवरण	यूनिट	राशि
सामान्य मूल्य	यूएसएसडॉलर/एमटी	***
निर्यात कीमत	यूएसएसडॉलर/एमटी	***
पाटन मार्जिन	यूएसएसडॉलर/एमटी	***
पाटन मार्जिन %	%	***
पाटन मार्जिन रेंज %	रेंज %	70-80

झ. क्षति निर्धारण तथा क्षति एवं कारणात्मक सम्बन्धों की जांच के लिए क्रिया पद्धति

घरेलू उद्योग के प्रस्तुतिकरण

31. क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए हैं-
- आयातों की अवसारित कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत से कम है।
 - ब्लैक डेनिम, जो कि सल्फर ब्लैक के प्राथमिक प्रयोगों में से एक है, के लिए मांग में गिरावट के कारण मांग में मामूली सी कमी आई है। वर्ष 2011-12 की तुलना में जांच की अवधि में मांग में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है।
 - सम्बद्ध देशों से आयातों में कमी आई है तथापि वे बहुत अधिक बने रहे।
 - सम्बद्ध देश का बाजार हिस्सा बहुत अधिक बना रहा। इसके परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग अपने बाजार हिस्से में सुधार करने में सफल नहीं हुआ।
 - आधार वर्ष से वर्ष 2011-12 तक बिक्री, उत्पादन और क्षमता उपयोग में कुछ गिरावट आई परन्तु जांच की अवधि में इसमें सुधार हुआ। उत्पादकता में भी कुछ गिरावट प्रदर्शित हुई है।
 - घरेलू उद्योग सम्बद्ध वस्तु के पाटन के कारण क्षति सहन कर रहा है, जिसमें मौजूदा जांच की अवधि में वृद्धि हुई है जिससे नकद लाभ और निवेश पर अर्जन में गिरावट आई है।
 - घरेलू उद्योग ने मात्रा और कीमत पैरामीटरों दोनों के संबंध में ऋणात्मक वृद्धि दर्ज की है।

- viii. पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोदहन बहुत अधिक है। सम्बद्ध वस्तुओं से, यदि शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिया जाता है तो, गम्भीर कीमत निग्रहण और अवमंदन होने की सम्भावना है।
- ix. उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री, बाजार हिस्सा, लाभ, निवेश पर अर्जन, नकदी प्रवाह आदि के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है।

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

32. क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के बारे में उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई प्रस्तुतिकरण नहीं किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

33. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरणों पर विचार करने के अनुक्रम में प्राधिकारी संबद्ध देश से आयातों के कारण पाटन एवं क्षति के पहलू की सम्भावना की जांच की कार्रवाई करने से पहले घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति, यदि कोई, की जांच करने की कार्रवाई करते हैं।
34. अनुबंध-11 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में प्रावधान है कि क्षति निर्धारण में उन सभी कारकों की जांच करना शामिल होगा जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति का संकेत मिलता हो, ' "..... सभी संगत कारकों, जिनमें शामिल हैं पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमत पर उनका प्रभाव और ऐसे आयातों का इन वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर परणामी प्रभाव, को ध्यान में रखते हुए कीमतों पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने में यह जांच करना आवश्यक माना जाता है कि क्या भारत में समान वस्तु कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोदहन हुआ है या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमतों का अन्यथा भारी मात्रा में निग्रहण हो रहा है या उससे कीमतों में वृद्धि होना निवारित हो रही है, जो अन्यथा भारी मात्रा में हुई होती।
35. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी देशनाकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री यात्रा, स्टॉक, लाभप्रदायकता, निवल बिक्री प्रापण पाटन का परिमाण एवं मार्जिन आदि पर प्रमुख नियमावली के अनुबंध-11 के अनुसार विचार किया गया है।
36. वर्तमान जांच प्रभावी पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच है। नियम 23 में प्रावधान है कि नियम 11 के उपबंध समीक्षा के मामले में भी यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे। इसलिए, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति का निर्धारण अनुबंध-11 के साथ पठित नियम 11 के प्रावधानों पर यथावश्यक परिवर्तनों सहित विचार करते हुए किया है। इसके, अतिरिक्त, चूंकि इस विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क प्रभावी है इसलिए प्राधिकारी यह विचार करते हैं कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति की जांच करते समय चीन जन गण से संबद्ध वस्तु के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क पर विचार करना अपेक्षित है। प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या मौजूदा पाटनरोधी शुल्क उस पाटन का प्रतिरोध करने के लिए, जो क्षति कारित कर रहा है, पर्याप्त है या नहीं।
37. सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9 (क) (5) के अनुसार अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क, यदि उसका पहले प्रति संहरण नहीं कर दिया जाता है तो, ऐसे अधिरोपण की तारीख से पांच वर्षों की समाप्ति के पश्चात निष्प्रभावी हो जाएगा, परन्तु यह कि किसी समीक्षा में केन्द्रीय सरकार का यह विचार बन जाता है कि ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति की निरन्तरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की सम्भावना है तो वह ऐसे अधिरोपण की अवधि, समय-समय पर पांच वर्षों की अवधि तक के लिए बढ़ा सकती है और बढ़ी हुई यह अवधि ऐसे विस्तार के आदेश की तारीख से प्रारम्भ होगी।
38. वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने क्षति की मौजूदगी तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई, की जांच करने के लिए सम्बद्ध वस्तु के पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू उद्योग पर उसके कीमत प्रभाव तथा कीमत और लाभप्रदायकता पर उसके प्रभाव की जांच की। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति की जांच नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग बनने वाले मैसर्स अतुल लिमिटेड और मैसर्स यानु डाइज प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित सूचना पर विचार करते हुए की है। तदनुसार पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत प्रभाव की जांच निम्नवत की गई है:-

ज. मात्रा प्रभाव: पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर उसका प्रभाव:

मांग एवं बाजार हिस्सा

39. प्राधिकारी ने देश में मांग या इस उत्पाद की स्पष्ट खपत का निर्धारण भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयात के योग के रूप में की है। इस तरह आकलित मांग को निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है। यह देखा जाता है कि देश में इस विचाराधीन उत्पाद की मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई है। इसी तरह, घरेलू उद्योग की बिक्री और सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के आयात में भी आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान गिरावट प्रदर्शित हुई है।

विवरण		2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	एम टी	5,148	5,173	4,891	4,911
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	एम टी	1,903	1,790	1,701	1,702
चीन-निर्यात	एम टी	1,190	757	697	939
अन्य देश आयात	एम टी	0	4	112	24
कुल मांग	एम टी	8,241	7,724	7,400	7,577
बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	62	67	66	65
अन्य उत्पादक	%	23	23	23	22
सम्बद्ध देश	%	14	10	9	12
अन्य देश	%	0	0	2	0
कुल	%	100	100	100	100

आयात मात्रा एवं बाजार हिस्सा

40. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन और खपत के संगत रूप से भारी वृद्धि हुई है।

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
सम्बद्ध देश	एम टी	1,190	757	697	939
अन्य देश	एम टी	0	4	112	24
कुल आयात	एम टी	1,190	761	808	963
आयातों में बाजार हिस्सा					
सम्बद्ध देश	%	99.99	99.53	86.19	97.52
अन्य देश	%	0.01	0.47	13.81	2.48
भारत में खपत के संबंध में सम्बद्ध देश से आयात	%	14.44	9.80	9.42	12.40
भारत में उत्पादन के संबंध में सम्बद्ध देशों से आयात	%	14.30	9.64	9.44	12.39

41. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध देश से आयात में वर्ष 2011-12 तक गिरावट आई और तत्पश्चात जांच की अवधि में इसमें वृद्धि हुई। पुनः यह नोट किया जाता है कि सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु का आयात भारत में उत्पादन के संबंध में बहुत अधिक बना हुआ है।

ट. कीमत प्रभाव

पाटित आयातों का कीमत प्रभाव और घरेलू उद्योग पर इसका प्रभाव

42. सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव की जांच कीमत अधोरदन, कीमत अधोविक्रयण, कीमत निग्रहण और कीमत अवमंदन के संदर्भ में की गई। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्रापण (एन एस आर) और गैर-क्षतिकारी कीमत (एन आई पी) की तुलना सम्बद्ध देश से आयातों के अवसारित मूल्य से की गई। जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु की तुलना पाटित आयातों के अवसारित मूल्य और घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत से की गई। घरेलू उद्योग के निवल बिक्री प्रापण का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत करें, रिबेटों, डिस्काउंट और कमीशन का समायोजन किया गया है। कीमत अधोविक्रयण क्षति के आकलन का एक महत्वपूर्ण संकेतक है; अतः प्राधिकारी ने एक गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण किया है और उसकी तुलना कीमता अधोविक्रयण की सीमा पर पुहंचने के लिए उतराई मूल्य से की गई। घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षतिकारी कीमत का मूल्यांकन जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए उत्पादन लागत पर समुचित रूप से विचार करते हुए किया है। स्थिति निम्नवत है:-

कीमत अधोरदन एवं अधोविक्रयण

43. कीमत अधोरदन/अधोविक्रयण की जांच निम्नवत की गई है-

कीमत अधोरदन

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
निवल बिक्री प्रापण	रुपए/एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	95	99	103
पाटनरोधी शुल्क के बिना आयातों का उतराई मूल्य	रुपए/एम टी	61,460	74,470	68,180	79,430
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	121	111	129
पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोरदन	रुपए/एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	59	81	66
पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
रेंज	%	30-50%	20-40%	30-50%	20-40%
पाटनरोधी शुल्क के बिना आयातों का उतराई मूल्य	रुपए/एम टी	84,567	1,02,468	93,813	1,09,292
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	121	111	129
शुल्क के बिना कीमत अधोरदन	रुपए/एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	(11)	48	(5)
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
रेंज	%	15-25	ऋणात्मक	5-15	ऋणात्मक

कीमत अधोबिक्रयण

विवरण	मापन की इकाई	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत	रुपए/एम टी	***
पाटनरोधी शुल्क के बिना अवसारित मूल्य	रुपए/एम टी	79,430
पाटनरोधी शुल्क सहित अवसारित मूल्य	रुपए/एम टी	1,09,292
पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोबिक्रयण	रुपए/एम टी	***
पाटनरोधी शुल्क सहित कीमत अधोबिक्रयण	रुपए/एम टी	***
पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोबिक्रयण	%	***
पाटनरोधी शुल्क सहित कीमत अधोबिक्रयण	%	***
रेंज		
पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोबिक्रयण		50-60
पाटनरोधी शुल्क सहित कीमत अधोबिक्रयण		5-15

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के बिना आयातों की अवसारित कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम हेतु, अतः इसके परिणामस्वरूप भारी कीमत अधोरदन हा रहा है। तथापि, पाटनरोधी शुल्क के बिना और पाटनरोधी शुल्क सहित आयातों की अवसारित कीमत घरेलू उद्योग की गैर क्षतिकारी कीमत से पर्याप्त रूप से कम है, तद्वारा इसके परिणामस्वरूप भारी कीमत अधोबिक्रयण प्रभाव पड़ रहा है।

कीमत निग्रहण एवं अवमंदन

45. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत निग्रहण एवं अवमंदन प्रभाव की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्रापण की प्रवृत्ति की तुलना बिक्री लागत से की गई। दिए गए आंकड़ें यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत वर्ष 2009-10 को छोड़कर सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान इसकी बिक्री लागत से कम रही है जो कीमत निग्रहण प्रभाव की मौजूदगी को दर्शाता है।

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रुपए/एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	112	118	116
निवल बिक्री कीमत	रुपए/एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	95	99	103
लाभ/हानि	रुपए/एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	(1,333)	(1,565)	(1,047)
अवसारित कीमत	रुपए/एम टी	61,460	74,470	68,180	79,430
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	121	111	129

घरेलू उद्योग पर प्रभाव**उत्पादन, क्षमता एवं क्षमता उपयोग**

46. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग द्वारा अपनी क्षमता में वृद्धि की गई है। घरेलू बाजार में भारी मांग के बावजूद आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
क्षमता	एम टी	7,100	8,325	8,884	8,979
घरेलू उत्पादन	एम टी	6,422	6,068	5,681	5,882
क्षमता उपयोग	एम टी	90%	73%	64%	66%
प्रवृत्ति		100	81	71	72

घरेलू उद्योग की बिक्री

47. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है:-

विवरण		2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
घरेलू बिक्री	एम टी	5,148	5,173	4,891	4,911
प्रवृत्ति		100	100	95	95
मांग	एम टी	8,241	7,724	7,400	7,577
प्रवृत्ति		100	94	90	92

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

क्षति पैरामीटरों की जांच**लाभ/हानि, निवेश पर अर्जन एवं नकदी प्रवाह-**

48. निवेश पर अर्जन, कर पूर्व एवं कर पश्चात लाभ/हानि, नकद लाभ निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:-

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
उत्पादन की लागत	रुपए/एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	112	118	116
निवल बिक्री कीमत	रुपए/एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	95	99	103
लाभ/हानि	रुपए/एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	(1,333)	(1,565)	(1,047)

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
लाभ/हानि	रुपए/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	(1,339)	(1,487)	(999)
कर पूर्व लाभ/हानि	रुपए/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	(282)	(332)	(213)
नकद लाभ	रुपए/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	(529)	(578)	(374)
लगाई गई पूंजी	रुपए/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	111	87	90
लगाई गई पूंजी पर अर्जन	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	(254)	(380)	(236)

49. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि लाभ, नकद लाभ, और लगाई गई पूंजी पर अर्जन में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को वर्ष 2010-11 से लेकर नुकसान होना प्रारम्भ हो गया।

मालसूची :

50. घरेलू उद्योग की मालसूची निम्नवत रही। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के साथ औसत मालसूची में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है।

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
औसत स्टाक	एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेक्स	100	119	91	108

रोजगार, वेतन और उत्पादकता

51. घरेलू उद्योग की रोजगार और वेतन की स्थिति निम्नवत है-

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
रोजगार	नं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	94	91	88
वेतन	रुपए लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	144	146	121
उत्पादकता प्रति दिन	एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	94	88	92
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	प्रवृत्ति	100	100	97	104

52. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रोजगार के स्तर में गिरावट आई है और आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान संदत्त वेतन में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन में गिरावट के साथ-साथ प्रतिदिन उत्पादकता में कमी आई है।

ठ. पाटन मार्जिन की मात्रा

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के निर्यातों का पाटन मार्जिन सकारात्मक और न्यूनतम से अधिक है।

ड. विकास

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क प्रभावी होने के बावजूद घरेलू उद्योग ने लगाई गई पूंजी पर अर्जन तथा लाभ के रूप में नकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है।

विवरण	यूनिट	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
उत्पादन	%	-5.51	-6.37	3.53
लाभ	%	-1433	17	-33
निवेश पर अर्जन	%	-354	50	-38

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

55. सम्बद्ध देश तथा अन्य देशों से आयात कीमत, लागत ढांचे में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा अन्य कारक जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करते हों, की जांच दर्शाती है कि पाटनरोधी शुल्क के बिना सम्बद्ध देश से आयातित माल की अवसारित मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और गैर-क्षतिकारी कीमत से कम है जिससे भारतीय बाजार में पाटनरोधी शुल्क सहित और पाटनरोधी शुल्क के बिना, दोनों रूपों से भारी कीमत अधोरदन एवं कीमत अधोविक्रयण कारित कर रहा है। यह भी नोट किया जाता है कि सम्बद्ध वस्तु की मांग में जांच की अवधि के दौरान भारी वृद्धि प्रदर्शित हो रही है और इसलिए यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला एक कारक नहीं हो सकता है। अतः घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु का अवसारित मूल्य है।

पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता

56. पाटन की स्थिति में पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता संगत नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद उद्योग है।

ढ. अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

57. प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या अन्य ज्ञात कारकों से भी घरेलू उद्योग को क्षति कारित हो सकती है, जो निम्नवत है:-

उन आयातों की मात्रा और कीमत जिनकी बिक्री पाटित कीमतों पर नहीं की गई

58. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात या तो नगण्य हैं या उनकी निर्यात कीमत उच्चतर है।

व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया तथा घरेलू एवं विदेशी उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

59. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध वस्तु का मुक्त रूप से आयात किया जा सकता है और घरेलू बाजार में उन पर कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया नहीं है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उत्पादकों के बीच कोई बोधगम्य प्रतिस्पर्धा, उसको छोड़कर जो बाजार अर्थव्यवस्था में स्पष्ट है, नहीं हैं।

मांग में संकुचन और खपत की प्रणाली में परिवर्तन

60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध वस्तु की मांग में जांच की अवधि के दौरान कुछ गिरावट आई है। तथापि, यह नोट किया जाता है घरेलू उद्योग अपनी बिक्री मौजूदा मांग की सीमा तक भी करने के योग्य नहीं है।

निर्यात निष्पादन

61. अधोलिखित तालिका में दी गई सूचना के अनुसार घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है। अतः, निर्यात प्रवृत्ति घरेलू उद्योग के लिए क्षति का एक सम्भावित कारक नहीं हो सकता है। तथापि, घरेलू बिक्री से संबंधित आंकने की जांच अलग से की गई है।

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
निर्यात	एम टी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इन्डेस्क	100	131	92	121

**ण. पाटन एवं क्षति की निरन्तरता/पुनरावृत्ति की सम्भावना
घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण**

62. पाटन एवं क्षति की निरन्तरता/पुनरावृत्ति की सम्भावना के संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए हैं-

- चीन से इस विचाराधीन उत्पाद का निरन्तर पाटन हो रहा है। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिया जाता है तो विचाराधीन उत्पाद के पाटन की सम्भावना और भी अधिक बढ़ जाएगी;
- चीन से होने वाले आयातों की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत तथा बिक्री लागत से भी कम है। इसलिए शुल्क समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में चीन के उत्पादक आक्रामक रूप से भारतीय बाजार को अपना लक्ष्य बनाएंगे।
- सम्बद्ध देश में निर्यातकों की क्षमता भारतीय मांग की तुलना में बहुत अधिक है। सम्बद्ध वस्तु की चीन के उत्पादकों की क्षमता निम्नलिखित है:-

क्र.सं.	चीन के उत्पादक	प्रदाय क्षमता (एम टी/वर्ष)
1	शैन्क्सी लिन्फेन कैमिकल्स डाइंग कम्पनी लिमिटेड	30,000
2	डालियान डाइकेम इण्टरनेशनल कारपोरेशन	12,000
3	टियानजिल कैयी कैमिकल फैक्टरी	36,000
4	हांगझोऊ रूइजियांग कैमिकल कम्पनी लिमिटेड	60,000
5	झेन्गडिंग शेन्गूओ कैमिकल फैक्टरी	9,600
6	टियानजिन जिबीयर इण्टरनेशनल कम्पनी लिमिटेड	6,000
7	टांगशान सी एण्ड एम ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड	30,000
8	शाओक्सिंग सनडे टैक्सटाइल एण्ड कैमिकल कम्पनी लिमिटेड	1,200
9	एफाइन कैमिकल्स लिमिटेड	5,000
10	डालियान हुआचेंग फाइन कैमिकल कम्पनी लिमिटेड	5,000
11	टिआनजिन टाइगर इण्टरनेशनल कम्पनी लिमिटेड	12,000

- एकमात्र प्रतिवादी उत्पादक ने स्वयं दावा किया है कि वे अपनी क्षमता में और अधिक, लगभग 3000 एम टी तक, विस्तार कर रहे हैं। चीन के कुछ उत्पादकों की ज्ञात उपलब्ध क्षमता, जैसाकि उपर्युक्त तालिका में

देखा गया है, पर विचार करते हुए 8000 एम टी से कम की भारतीय मांग को पूर्णतया पाटित आयातों द्वारा ही पूरा किया जा सकता है। एक बार पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने पर इस बात की तीव्र सम्भावना है कि सम्पूर्ण भारतीय मांग को चीन के उत्पादकों द्वारा ही पूरा किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने की स्थिति में पाटन की तीव्रता और भी अधिक बढ़ जाने की संभावना है।

- v. चीन के आपूर्तिकर्ताओं को सम्बद्ध वस्तु की कम घरेलू मांग का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए एक ऐसी स्थिति पर विचार करते हुए जहां चीन में मांग आपूर्ति में भारी अन्तर है, चीन के उत्पादक अपनी क्षमताओं का उपयोग करने के लिए बाजार अवसरों की तलाश कर रहे हैं। इसलिए, इतनी अधिक व्यापक क्षमता तथा कम घरेलू मांग के कारण, पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिए जाने की स्थिति में केवल 7270 एम टी की मांग युक्त भारतीय बाजार की मांग को पूरी तरह से सम्बद्ध देश द्वारा अपने कब्जे में लिया जा सकता है।
- vi. तृतीय देशों को चीन के निर्यातों में पिछले कुछ वर्षों में कमी आई है। इसलिए वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने का आशय होगा कि चीन के उत्पादकों को पर्याप्त अवसर प्रदान करना।
- vii. चीन के कुछ उत्पादकों के साथ उपलब्ध ज्ञात क्षमता पर विचार करते हुए, 8000 एम टी से भी कम की भारतीय मांग को पाटित आयातों द्वारा आसानी से पूर्णतया पूरा किया जा सकता है। एक बार पाटनरोधी शुल्क का प्रति संहरण कर लिया जाता है तो इस बात की सशक्त सम्भावना है कि सम्पूर्ण भारतीय मांग को चीन के उत्पादकों द्वारा ही पूरा कर लिया जाएगा।
- viii. चीन के निर्यातकों की सम्पूर्ण विश्व में बहुत उच्च निर्यात उन्मुखता है। अतः, यदि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिया जाता है तो पाटन एवं क्षति और भी अधिक तीव्रतर स्तर पर होने की संभावना बन जाएगी।
- ix. जांच की मौजूदा अवधि में पाटित आयातों की मात्रा बहुत अधिक बनी रही और पाटन मार्जिन भी बहुत अधिक है। इससे यह स्पष्टतः सिद्ध होता है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिए जाने की स्थिति में पाटन की निरन्तरता बने रहने और वस्तुतः उसमें और अधिक वृद्धि होने की तीव्र सम्भावना है। पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी में मौजूदा भारी पाटन मार्जिन इस बात का सशक्त संकेतक है कि पाटन की संभावना और भी अधिक बढ़ जाएगी।
- x. चीन से वैश्विक बाजारों में निर्यात की मात्रा यह दर्शाती है कि पिछले कुछ वर्षों में चीन से तृतीय देशों को निर्यातों की मात्रा में गिरावट आई है जिससे चीन के उत्पादकों की अप्रयुक्त क्षमताओं में वृद्धि हुई है। अतः, वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति का आशय होगा चीन के उत्पादकों को भारी अवसर प्रदान करना।
- xi. सम्बद्ध देश से पाटित आयात बहुत अधिक बने रहे और उनका भारी बाजार हिस्सा निरन्तर बना हुआ है। इसके अतिरिक्त, सम्बद्ध देश से पाटित आयातों के कारण भारी कीमत अधोरदन भी हुआ है। अतः, पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने से भारी कीमत निग्रहण और अवमंदन प्रभाव कारित होगा।
- xii. घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण सतत क्षति सहन करनी पड़ी है। घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से क्षतिआसानी से पहुंचायी जा सकती है। सम्बद्ध देश से पाटन मार्जिन और आयात मात्रा का वर्तमान स्तर इस बात की भारी सम्भावना सृजित कर देता है कि इस बात को ध्यान में रखते हुए कि सम्बद्ध देश में बेशी क्षमताएं मौजूद हैं इसलिए शुल्क को समाप्त कर देने के परिणामस्वरूप सम्बद्ध देश से भारतीय बाजार में सम्बद्ध वस्तु का पाटन तीव्र हो जाएगा।

प्राधिकारी द्वारा जांच

63. वर्तमान जांच, चीन जन गण से सल्फर ब्लैक के आयातों पर पूर्व में अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की एक निर्णय समीक्षा जांच है। नियमों के अंतर्गत, प्राधिकारी को यह निर्धारित करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटनरोधी शुल्क का सतत अधिरोपण आवश्यक है या नहीं। इसके लिए इस विचार की भी अपेक्षा होती है कि क्या अधिरोपित शुल्क क्षतिकारी पाटन का उपशमन करने के आशयित प्रयोजन को पूरा कर रहा है। इस मामले में, चूंकि सतत पाटित आयात हुए हैं, इसलिए प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या शुल्क का प्रति संहरण कर लिए जाने से इस उत्पाद के सतत पाटन में वृद्धि होने की संभावना है। सम्बद्ध देश के निर्यातक एवं उत्पादक सम्बद्ध वस्तु का निर्यात पाटित कीमतों पर कर रहे हैं। मूल जांच में भी पाटन मार्जिन बहुत अधिक था। ऐसी स्थिति में प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कोई कारण नहीं है कि शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने पर पाटन में तीव्रता नहीं आएगी।

मौजूदा एवं विगत पाटन मार्जिन का स्तर

64. प्राधिकारी द्वारा मूल जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन पर एवं इस समय आकलित पाटन मार्जिन पर विचार करते हुए यह पूर्णतया स्पष्ट है कि निर्यात पाटित कीमतों पर किया जाना जारी रहा और पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिए जाने की स्थिति में उनकी निरन्तर बने रहने की संभावना है। आयातों की मात्रा में वर्ष 2010-11 में गिरावट आई और उसके पश्चात उनमें वृद्धि हुई और पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण होने के पश्चात भी वे सम्पूर्ण क्षति अवधि में पर्याप्त मात्रा में बने रहे। इसके अतिरिक्त, जांच की अवधि के दौरान, पाटनरोधी शुल्क सहित और पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोविक्रमण प्रभाव तथा पाटनरोधी शुल्क के बिना भारी कीमता अधोरदन पर विचार करते हुए, पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिए जाने की स्थिति में आयातों की मात्रा में और भी अधिक वृद्धि होने की संभावना है।

भारतीय बाजार की कीमत आकर्षकता

65. वह कीमत जिस पर चीन जन. गण. से भारत को सम्बद्ध वस्तु का निर्यात किया जा रहा है, सतत पाटन की संभावना की संकेतक है। भारत में उतराई कीमत पर, पाटनरोधी शुल्क के बिना भारी कीमत अधोरदन हुआ है। अतः, पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिए जाने से चीन के निर्यातकों को भारतीय कीमत बहुत अधिक आकर्षक हो जाएगी और इस बात की सुदृढ़ संभावना है कि बढ़ती मांग के कारण भारतीय उपभोक्तागण उसका भारी मात्रा में आयात करने लगेंगे।

सम्बद्ध देश की भारी कीमत क्षमता

66. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावे के अनुसार चीन में सम्बद्ध वस्तु के कम से कम 9 ऐसे उत्पादक हैं जिनकी संयुक्त उत्पादन क्षमता 3,50,000 एम टी से भी अधिक है। चीन की इस क्षमता की तुलना में सम्बद्ध वस्तु की भारतीय मांग बहुत कम है। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने और चीन की निर्यातोन्मुखता पर विचार करते हुए यह कहा जा सकता है कि चीन के उत्पादक सम्बद्ध वस्तु के उत्पादन में लगे भारतीय विनिर्माण सेक्टर को पूरी तरह से अपने कब्जे में ले लेने में सक्षम है।

संबद्ध वस्तु की निर्यातोन्मुखता

67. घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना से यह स्पष्ट है कि चीन के उत्पादक/निर्यातक बहुत अधिक निर्यातोन्मुख हैं। भारत में सम्बद्ध वस्तु की उच्च अनुकूल बाजार दशाओं और चीन के उत्पादकों की भारी उत्पादन क्षमता और तनर्यातोन्मुखता पर विचार करते हुए प्राधिकारी यह उत्पादित करते हैं कि यदि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो भारत में इस सम्बद्ध वस्तु की सम्पूर्ण मांग को भारतीय उत्पादकों के स्थान पर चीन के उत्पादकों द्वारा ही पूरा किया जा सकता है।

त. क्षति एवं क्षतिमार्जिन का परिमाण

68. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु की प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु की गैरक्षतिकारी कीमत की तुलना, जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए सम्बद्ध देश से निर्यातों के उतराई मूल्य के साथ की गई क्षतिमार्जिन का निर्धारण निम्नवत किया गया है:-

विवरण	यूनिट	राशि
घरेलू उद्योग की गैरक्षतिकारी कीमत	रुपए/एमटी	***
आयातित माल की उतराई कीमत	रुपए/एमटी	79,430
क्षति मार्जिन	रुपए/एमटी	***
क्षति मार्जिन %	%	***
क्षति मार्जिन % रेंज	%	50-60

थ. प्रकटन पश्चात् टिप्पणियां

69. घरेलू उद्योग ने प्रकटन पश्चात् निम्नलिखित टिप्पणियां की हैं
- विचाराधीन उत्पाद का संबद्ध देश से भारत को पाटित कीमतों पर निर्यात किया जाना जारी रहा।
 - चालू जांच अवधि में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन दोनों ही सकारात्मक हैं।
 - मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग को सतत क्षति हुई है।
 - पाटनरोधी शुल्क को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाए जाने की जरूरत है।
 - पाटनरोधी शुल्क का स्वरूप वर्तमान के स्वरूप के अनुरूप ही बनाए रखने की जरूरत है।
70. चीन के उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा प्रकटन पश्चात् निम्नलिखित टिप्पणियां की गई हैं:—
- डालिआन डाइकेम इंटरनेशनल कारपोरेशन, चीन जन गण आयातकों द्वारा रिपोर्ट किए गए बिक्री आंकड़ों तथा डालिआन डाइकेम इंटरनेशनल कारपोरेशन, चीन जन गण द्वारा रिपोर्ट किए गए बिक्री आंकड़ों के बीच किसी विसंगति का कारण नहीं बता सका।
 - डालिआन डाइकेम इंटरनेशनल कारपोरेशन, चीन जन गण द्वारा रिपोर्ट किया गया बीजक मूल्य निर्यातक द्वारा बनाए गए वास्तविक बीजक के अनुरूप है।
 - डालिआन डाइकेम इंटरनेशनल कारपोरेशन, चीन जन गण द्वारा प्रस्तुत आंकड़े तथ्यात्मक रूप से सही हैं और डी जी ए डी द्वारा उन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई प्रकटन पश्चात् टिप्पणियां अधिकांशतः उनके पिछले प्रस्तुतीकरणों के ही पुनर्वचन हैं जिनका इस अंतिम जांच परिणाम में पहले ही समाधान कर दिया है। जहां तक घरेलू उद्योग के इस अनुरोध का प्रश्न है कि पाटनरोधी शुल्क की उसी स्वरूप में निरंतरता बनाई रखी जाए जिस स्वरूप में उसे मूल जांच में अधिरोपित किया गया था, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यथामूल्य पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने के बावजूद संबद्ध देश में उद्भवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन की भारी मात्रा में निरंतरता बनी रही है।

द. भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

72. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण भारत में उक्त उत्पाद की कीमत स्तर को प्रभावित कर सकता है। तथापि, पाटनरोधी शुल्क का उपाय करने से भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण पाटन की प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ दूर करेगा, घरेलू उद्योग को पतन से बचाएगा और सम्बद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को इसके व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखेगा। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण सम्बद्ध देश से आयातों को किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं करेगा और इसलिए उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उपभोक्तागण अभी भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं।
73. पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन, सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को कारित की जा रही क्षति का उपशमन करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं पक्षपात रहित प्रतिस्पर्धा की एक ऐसी स्थिति पुनः स्थापित की जाए जो देश के आम हित में है। अतः पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण से उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ध. निष्कर्ष

74.. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए तर्कों, प्रदान कराई गई सूचना और किए गए प्रस्तुतीकरणों और इस अन्तिम जांच परिणाम में रिकॉर्ड किए गए तथा प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और पाटन और उसके परिणामस्वरूप होने वाली क्षति की निरन्तरता या पाटन एवं क्षति की निरन्तरता/पुनरावृत्ति की संभावना के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि

- (क) सम्बद्ध वस्तु का भारत में प्रवेश पाटित कीमतों पर हो रहा है और पाटनमार्जिन न्यूनतम से अधिक एवं पर्याप्त है।
- (ख) सम्बद्ध वस्तु का चीन से निर्यात भारी कीमत अधोरदन कर रहा है। इसके अतिरिक्त, क्षति मार्जिन सकारात्मक एवं बहुत अधिक है।
- (ग) चीन के निर्यातक पाटनरोधी शुल्क सहित एवं पाटनरोधी शुल्क के बिना भारी कीमत अधोविक्रयण कारित कर रहे हैं।
- (घ) जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, लाभ, लाभप्रदायकता, लगाई गई पूंजी पर आवक जैसे आर्थिक पैरामीटरों के रूप में ऋणात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है। पाटित आयात घरेलू उद्योग को लगातार क्षति कारित करते रहे हैं।
- (ङ.) यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के पाटन की संभावना और अधिक तीव्र हो जाएगी जिससे घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति होगी।

न. सिफारिशें

75. यथोपरि निष्कर्ष के उपरान्त प्राधिकारी का विचार है कि सम्बद्ध देश में उदभवित या वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों के सम्बंध पाटनरोधी उपाय में न केवल विस्तार किए जाने की आवश्यकता है बल्कि उसमें संशोधन किए जाने एवं उसमें संवृद्धि किए जाने की भी आवश्यकता है, जैसा कि अधोलिखित शुल्क-तालिका में विनिर्दिष्ट किया गया है।
76. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यथामूल्य पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने के बावजूद सम्बद्ध देश में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु का पाटन पर्याप्त मात्रा में जारी रहा। उपर्युक्त उल्लिखित स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अधिक प्रभावकारी साधन के रूप में एक निश्चित स्वरूप में पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं। प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के न्यूनतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं जिससे कि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति दूर हो सके। तदनुसार, सम्बद्ध देश में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के सभी आयातों के संबंध में अधोलिखित तालिका के कालम-9 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किए जाने की सिफारिश केन्द्रीय सरकार द्वारा की जाती है।

शुल्क तालिका

क्रम सं.	उप शीर्षक या प्रशुल्क मद	वस्तु विवरण	विनिर्देशन	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	मापन की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	3204	सल्फर ब्लैक	सभी स्वरूप एवं प्रबलता में	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	कोई	766	एम टी.	यू एस डालर

2	3204	सल्फर ब्लैक	सभी स्वरूप एवं प्रबलता में	चीन जन.गण.	चीन जन गण को छोड़कर कोई अन्य	कोई	कोई	766	एम टी..	यू एस डालर
3	3204	सल्फर ब्लैक	सभी स्वरूप एवं प्रबलता में	चीन जन गण को छोड़कर कोई अन्य	चीन जन.गण.	कोई	कोई	766	एम टी..	यू एस डालर

प. अगली प्रक्रिया

77. केन्द्रीय सरकार द्वारा इसे स्वीकार कर लिए जाने के पश्चात इस आदेश के विरुद्ध एक अपील सीमा-शुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अनुसार सीमा-शुल्क, उत्पाद कर एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकती है।

जे. के. दादू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd July, 2014

Final Finding

Subject: Sunset Review of Anti-dumping duties imposed on imports of Sulphur Black originating in or exported from China PR.

No.15/18/2012-DGAD:—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. Background of the Case

- Whereas, the original investigation concerning imports of Sulphur Black (herein after referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject country), was initiated by the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) vide Notification No. 14/16/2006-DGAD dated 26th June, 2007. The Preliminary Finding was issued by the Authority vide Notification No. 14/16/2006-DGAD dated 10th March, 2008 and the provisional anti-dumping duty was imposed by the Department of Revenue vide Notification No. 48/2008-Customs dated 11th April, 2008. The Final Findings Notification was issued by the Authority vide notification No. 14/16/2006-DGAD dated 24th September, 2008 recommending imposition of definitive duty. The Final Finding Notification was further amended by the Authority vide Corrigendum notification dated 22nd October, 2008. On the basis of the recommendations made by the Authority in the final findings, definitive anti-dumping duty was imposed by the Department of Revenue vide Notifications No. 127/2008-Customs, dated 3rd December, 2008 on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.
- Whereas, M/s. Atul Ltd. and M/s. Bhanu Dyes Pvt. Ltd., filed a duly substantiated application before the Authority, on behalf of the domestic industry, in accordance with the Act and the Rules, alleging continued dumping of the subject goods from the subject country despite the anti-dumping measures and likelihood of intensified dumping and consequent injury to the domestic industry in the event of revocation of the anti-dumping duty and have requested for

review, continuation and enhancement of the anti-dumping duties, imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

4. In view of the duly substantiated application filed on behalf of the domestic industry and in accordance with Section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Authority initiated a Sunset review investigation vide Notification dated 4th April, 2013 to review the need for continued imposition of the duties in respect of the subject goods originating in or exported from the subject country and to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The validity of the anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the subject country has been extended up to 10.04.2014 by the Central Government vide Notification No.05/2013-Customs (ADD), dated 10.04.2013.
5. The scope of the present review covers all aspects of the previous investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

B. Procedure

6. The procedure described below has been followed with regard to the subject investigation:
 - i. The embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2).
 - ii. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and the embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential version of the application was also made available in the public file and provided to other interested parties, wherever requested.
 - iii. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known producers/exporters in China PR (whose names and addresses were made available to the Authority) as follows and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4):
 - a. Shanxi Linfen Chemicals Dyeing Co. Ltd.
 - b. Shaoxing Sunday Textile & Chemical Co. Ltd.
 - c. Dalian Dyechem International Corporation
 - d. Afine Chemicals Ltd.
 - e. Tianjin Kaiyi Chemical Factory
 - f. Dalian Huacheng Fine Chemical Co. Ltd.
 - g. Hangzhou Ruijiang Chemical Co. Ltd.
 - h. Tianjin Tiger International Co. Ltd.
 - i. Zhengding Shengguo Chemical Factory
 - j. Tangshan C&M Trading Co. Ltd.
 - k. Tianjin Xibeier International Co. Ltd.
 - iv. However, response to the exporter's questionnaire was received only from Tongliao Haiyu Chemical Technology Co. Ltd. (Producer) and Dalian Dye Chem International Corporation (Exporter).
 - v. A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to all the known producers/exporters and the Embassy of China PR with the request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time. While for the purpose of initiation the normal value in China PR was considered based on the cost of production of the subject goods in India, duly adjusted, the Authority informed the known producers/exporters from China PR that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para 7 and para 8 of Annexure I of Anti-dumping Rules, as amended. The exporters/producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub- paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment can be granted to cooperative exporters/producers. However, none of the Chinese producers/exporters, including Tongliao Haiyu Chemical Technology Co., Ltd. (producer) and Dalian Dye Chem International Corporation (exporter), have filed MET response and claimed market economy treatment

- vi. The Authority forwarded a copy of the public notice to the following known importers (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(4):
 - i. Ganga International
 - ii. Haryana Rang Udyog Pvt. Ltd.
 - iii. Parth Enterprises
 - iv. Khanna Dye Industry
 - v. Natali Dychem Pvt. Ltd.
 - vi. Globe Polymers & Chemicals
- vii. Post exporters verification, importers questionnaire responses were filed by Haryana Rang Udyog Pvt. Ltd and Aayushi Enterprise.
- viii. Authority had also forwarded a copy of the initiation notification to Sulphur Black Manufacturers Association and following other known producers of subject goods in India:
 - i. Apco Dychem Pvt Ltd
 - ii. Rajasthan Dye and Chemicals
 - iii. Khekra Chemicals
 - iv. Mahadev Dye & Chem (P) Ltd
 - v. Maulick Dychem
 - vi. Nitin Industries
 - vii. SF Dyes Pvt. Ltd
- ix. However, no response was received from the other known producers either in support or in opposition to the petition.
- x. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review was 1st January, 2012 to 31st December, 2012 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods 2009-10, 2010-11, 2011-12 and the POI.
- xi. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the injury period including the POI. The domestic industry submitted that volume of imports as per China Customs data should be adopted as it reports higher volume. The Authority has however relied upon the DGCI&S data in the present investigation.
- xii. Exporters, producers and other interested parties who have neither responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- xiii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xiv. The Authority has examined the information furnished by the domestic producers to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xv. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 3rd December, 2013 which, was attended by the domestic industry and their representatives and representatives of Tongliao Haiyu Chemical Technology Co., Ltd. and Dalian Dye Chem International Corporation. The parties which presented their views in the oral hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. Tongliao Haiyu Chemical Technology Co., Ltd. and Dalian Dye Chem International Corporation did not file any written submission, but

filed rejoinder to the written submissions made by the domestic industry.

- xvi. The Department of Revenue vide their letter No.354/39/2008-TRU (Pt-1) dated 30.04.2014 extended the time period to complete the investigations up to 03.07.2014.
- xvii. The Authority provided another opportunity of oral hearing to the interested parties on 12th June, 2014 consequent upon change in the incumbent Designated Authority and in line with the judgment dated 7th January, 2011 of the Hon'ble Supreme Court in the Automotive Tyre Manufacturers Association (ATMA) Case vide Civil Appeal No. 949 of 2006. Except representatives of the domestic industry and an importer namely Aayushi Enterprise, no other interested parties attended the 2nd oral hearing.
- xviii. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of the investigation and considered relevant by the Authority have been examined and addressed in this final finding.
- xix. On the spot verification of the information and data submitted by the domestic industry and other interested parties was carried out to the extent deemed necessary.
- xx. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xxi. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these essential facts on the basis of the 'facts available' and treated such parties as non-cooperative.
- xxii. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts were disclosed by the Authority to the known interested parties vide a disclosure statement issued on 28th June, 2014 and comments received on the same, to the extent considered relevant by the Authority, have been examined and addressed in this finding.
- xxiii. ***in this final finding represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxiv. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as Rs.53.69 = 1 US\$.

C. Scope of Product under consideration and like article

Submissions made by the Domestic Industry

7. Following are the submissions made by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:
 - i. The product under consideration in the present investigation is Sulphur Black. The product under consideration is same as defined in the original investigation.
 - ii. Sulphur Black is mainly used for dyeing cellulose fiber. Sulphur Black is also useful for dyeing viscose staple fiber and yarn.
 - iii. The product is sold in several concentrations, which may vary from as low as 20% to as high as 100%, most popular being 80%. These are described as BR 100, BR 200, BR 240, etc. BR 240 represents 100% concentration. Though the product is produced in various concentrations they can be interchangeably used.
 - iv. There is no known difference in the subject goods produced by the Indian industry and exported from subject country. Subject goods produced by the petitioners and imported from the subject country are comparable in terms of physical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. There is no known difference in the subject goods produced by the Indian industry and exported from subject country and hence are like articles.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

8. No submission has been made by the respondent producer/exporter/ other interested parties with regard to the scope of the product under consideration (PUC) and like article.

Examination by the Authority

9. The Product under Consideration (PUC) in the original as well as present SSR investigation is “Sulphur Black”, originating in or exported from China PR. Sulphur black is produced either in grain/flake form or in liquid form. Sulphur Black in grain form is a lustrous grain, imparts full black shade with a slight reddish or greenish tone. Sulphur Black is mainly used for dyeing cellulose fiber. Sulphur Black is also used for dyeing viscose staple fiber and yarn, paper and leather. The present investigation being a sun set review; the PUC remains the same as in the original investigation.
10. Sulphur Black is classified in Chapter 32 of the Customs Tariff Act, 1975 under subheading 3204. However, the above classification is indicative only and is no way binding on the scope of this investigation.

D. Domestic Industry and Standing

Submissions by the Domestic Industry

11. The following are the submissions made by the domestic industry with regard to scope of the domestic industry and standing:
- The petition has been filed on behalf of the two major domestic producers of Sulphur Black, i.e. M/s Atul Ltd. and M/s Bhanu Dyes Pvt. Ltd constituting domestic industry.
 - As per the information provided by the domestic industry, there are eight other domestic producers of the subject goods as follows:

ApcoDyechemPvt. Ltd.,	Mahadev Dyes &Chem I. (P) Ltd.
Rajsthan Dye and Chemicals	MaulickDyechem
S.M. Chemicals	Nitin Industries
Khekra Chemicals	SF Dyes P Ltd.

- One of the petitioner companies has imported the subject goods from subject country under duty exemption scheme of the Govt. of India for production of downstream product for exports. However, none of the petitioner companies are related to producers-exporters or importers of the subject goods either directly or indirectly. It has been requested that the Designated Authority may consider both the domestic producers as eligible domestic industry.
- Petitioners’ production constitutes 77% of the total domestic production and therefore forms a major proportion of the total Indian production, and constitutes domestic industry and has the standing to file and maintain the present petition as a domestic industry in terms of AD Rules.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

12. No submission has been made by the respondent producer/ exporter/ other interested parties with regard to the standing and scope of the domestic industry.

Examination by the Authority

13. The Authority notes that Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules provides as follows:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are relate to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

14. The Authority notes that the application has been filed by Atul Ltd. and Bhanu Dyes Pvt. Ltd. which together constitute a major proportion of the total Indian production. The Authority further notes that Bhanu Dyes Pvt. Ltd. has imported some quantity of Sulphur Black during the POI under duty exemption schemes. The duty free imports made under duty exemption are meant for manufacturing goods for export purpose and such duty free imports cannot be traded in the domestic market affecting the interest of the domestic producers. Moreover, none of the other interested parties have raised any objection in this regard.

15. In view of the above position and having regard to the Anti-dumping Rules, the Authority determines that M/s. Atul Ltd. and M/s. Bhanu Dyes Pvt. Ltd. account for a major proportion of the total domestic production of the subject goods during the POI and constitute domestic industry within the meaning of the Rule 2 (b) and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Anti- dumping Rules.

E. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Submissions by the domestic industry

16. Following are the submissions made by the domestic industry with regard to normal value, export and dumping margin:
- i. None of the WTO Member countries have granted market economy status to Chinese producers on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph 8(3). China is a non-market economy. None of the Chinese producers can satisfy market economy status.
 - ii. The producers and exporters in the subject country have continued to export the material at dumping price even after imposition of the anti-dumping duty. The volume of dumped imports and dumping margin are significant even with the anti-dumping duty.
 - iii. Dalian Dyechem has concealed the fact of having a related company, i.e., Dalian Green Peak Chemicals Co. Ltd. who is the producer of the subject goods and which had participated in the original investigation. Therefore, the exporter questionnaire response filed by the respondent companies is liable to be rejected and the responding parties should be treated as non cooperative.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

17. Following are the submissions made by the respondent producer and exporter:
- i. Dalian Green Peak Chemical Co. Ltd. which had participated in the original investigation, has stopped production of subject goods during the POI. Therefore, there is no requirement to file exporter's questionnaire response.
 - ii. Tongliao Haiyu Chemical Technology Co. Ltd. (Producer) and Dalian Dyechem International Corporation (Exporter) have fully cooperated with the Designated Authority.
 - iii. Invoice value as reported by Dalian Dyechem International Corporation (exporter) in Appendix-2 is as per actual invoice value, as reported to the Chinese Customs Authority. Therefore, the Authority is required to adopt the actual invoice value as reported by the exporter and not what has been reported by the Indian Customs Authority. Dalian Dyechem International Corporation cannot provide reasons for any discrepancy between the sales data reported by the DG, Systems and as reported by them.

Examination by the Authority

18. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Anti-dumping Rules.
19. As per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:
- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
20. The Authority notes that none of the respondent Chinese companies in the present investigation have filed market economy treatment (MET) response and did not rebut non-market economy presumption. Therefore, the Authority does not grant MET status to any Chinese company in the present investigation.
21. As regards the issue concerning non-participation by Dalian Green Peak Chemicals Co. Ltd in the present SSR investigation, which had participated in the original investigation as a producer of subject goods, from the information available in the exporters questionnaire response (EQR) filed by Dalian Dyechem International Corporation, China PR, it is acknowledged that Dalian Dyechem International Corporation, China PR and Dalian Green Peak Chemicals Co. Ltd are related companies. On the basis of information furnished by Dalian Dyechem International Corporation, the Authority notes that Dalian Green Peak Chemicals Co. Ltd has stopped production of sulphur black during the POI.
22. As regards the issue concerning discrepancy between the export value as claimed by the concerned Chinese exporter and the import value as reported in the data base of Indian Customs Authority (DG, Systems), the Authority notes that during the course of the investigation gross variation was noted between the export value declared by the concerned Chinese exporter and the import value declared by the concerned Indian importers. The concerned Chinese exporter was given adequate opportunity to explain and justify the discrepancy, but, no satisfactory explanation with documentary evidence was provided. Thus, the Authority notes that there exists an unexplained discrepancy between the exports data furnished by the concerned Chinese exporter vis-à-vis the imports data furnished by the concerned Indian importers.

F. Determination of Normal Value

23. The Authority notes that none of the producers/exporters from China PR have filed market economy treatment (MET) response. Under the circumstances, the Authority is not in a position to apply Para 8 of Annexure 1 to the Rules to the above named Chinese companies and the Authority has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure - I to the Rules.
24. Paragraph-7 of the Annexure-1 to the Anti-dumping Rules provides as follows:
- “In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin”.*
25. According to these Rules, the normal value in China PR can be determined on any of the following basis:
- a) On the basis of the price in a market economy third country, or
 - b) The constructed value in a market economy third country, or
 - c) The price from such a third country to other countries, including India.
 - d) If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.
26. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. No such information with regard to prices and costs prevalent in these markets have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country. Accordingly, the Authority proceeds to construct the normal value based on any other reasonable basis.
27. In view of the above stated position, the Authority proceeds to determine the Normal value for China PR on available facts basis in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Anti-dumping Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration has been determined based on constructed costs of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits. Accordingly, the constructed normal value for Chinese exporters has been determined as given below.

G. Determination of Export Price**Tongliao Haiyu Chemical Technology Co., Ltd (producer) along with Dalian Dye Chem International Corporation (exporter)**

28. The Authority notes that Tongliao Haiyu Chemical Technology Co. Ltd., China PR (producer) along with Dalian Dye Chem International Corporation, China PR (exporter) filed exporters questionnaire response in the present investigation claiming individual margins. During the course of the investigation, gross variation was noted between the export value declared by the concerned Chinese exporter and the import value declared by the concerned Indian importers. Adequate opportunity was provided by the Authority to the concerned exporter to explain this discrepancy, but no satisfactory explanation with documentary evidence was provided by the concerned exporter. In view of this gross unexplained discrepancy between the exports data furnished by the concerned Chinese exporter and the imports data furnished by the concerned Indian importers vis-à-vis the information reported by the Indian Customs Authority (DG, Systems), the Authority does not consider the data/information furnished by Dalian Dyechem International Corporation, China PR (Exporter) as reliable and therefore does not consider the exports of the subject goods made by Dalian Dye Chem International Corporation, China PR produced by Tongliao Haiyu Chemical Technology Co. Ltd., China PR for determination of export price as well as individual margins.
29. Therefore, the Authority has determined the net export price for all the exporters from China PR as per facts available basis in terms of Rule 6(8) of the Rules as given below.

H. Determination of Dumping Margin

30. Comparing the normal value and export price at ex-factory level as determined above, the dumping margin for the producers/exporters of the subject country has been determined as below:

Particulars	Unit	Amount
Normal Value	US\$/Mt	***
Export price	US\$/Mt	***
Dumping Margin	US\$/Mt	***
Dumping Margin %	%	***
Dumping Margin Range %	Range %	70-80

I. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK**Submissions of Domestic Industry**

31. The Domestic Industry has made the following submissions with regard to the injury and causal link:
- Landed Price of Imports is lower than Selling Price and Cost of Sales of Domestic Industry.
 - Demand marginally declined due to decline in demand for black denim, one of the primary uses of sulphur black. Demand shows positive growth in the POI as compared to 2011-12.
 - Imports from subject countries have declined, however remained significant.
 - Market Share of subject country has remained significant. Resultantly, domestic industry has not been able to improve its market share.
 - Sales, production and capacity utilization have decreased from the base year to 2011-12 with improvement in POI. Productivity has also shown some decline.
 - Domestic industry is suffering losses due to dumping of subject goods which have increased in the current POI, which has led to decline in cash profits and return on investment.
 - Domestic industry has registered a negative growth in terms of both volume and price parameters
 - Price undercutting is significant without ADD. Subject goods likely to cause severe price suppression and depression once duties are revoked.
 - Performance of the Domestic Industry in terms of production, capacity utilization, domestic sales, market share, profits, return on investments, cash flow, etc. has deteriorated.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

32. No submission has been made by the respondent producer/exporter/other interested parties with regard to the injury and causal link.

Examination by the Authority

33. In consideration of the various submissions made by the domestic industry in this regard, the Authority proceeds to examine the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury on account of imports from the subject country.
34. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
35. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.
36. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties in force. Rule 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply, mutatis mutandis in case of a review as well. The Authority has, therefore, determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti-dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers whether the existing anti-dumping duties on the imports of subject goods from China PR are required to be considered while examining injury to the domestic industry. The Authority has examined whether the existing antidumping measure is sufficient or not to counteract the dumping which is causing injury.
37. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension.
38. For the purpose of current injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. The Authority has examined injury to the domestic industry by considering information relating to M/s Atul Ltd. and M/s Bhanu Dyes Pvt. Ltd., constituting domestic industry under the Rules. Accordingly, the volume and price effect of dumped imports have been examined as follows:

J. VOLUME EFFECT: Volume effect of dumped imports and impact on domestic industry:

Demand and Market Share

39. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in the Country as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed can be seen in the table below. It is seen that demand of the product under consideration in the country has declined during the POI as compared to the base year. Similarly, the sales of the domestic industry and the imports of the subject goods from the subject country also show decline during the POI as compared to the base year.

Particulars		2009-10	2010-11	2011-12	POI
Sales of domestic industry	MT	5,148	5,173	4,891	4,911
Sales of other Indian producer	MT	1,903	1,790	1,701	1,702
China – Imports	MT	1,190	757	697	939
Other Countries – Imports	MT	0	4	112	24
Total Demand	MT	8,241	7,724	7,400	7,577
Market Share					

Domestic Industry	%	62	67	66	65
Other Producers	%	23	23	23	22
Subject Country	%	14	10	9	12
Other Countries	%	0	0	2	0
Total	%	100	100	100	100

Import Volume & market share

40. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Subject Country	MT	1,190	757	697	939
Other Countries	MT	0	4	112	24
Total Imports	MT	1,190	761	808	963
Market Share in Imports					
Subject Country	%	99.99	99.53	86.19	97.52
Other Countries	%	0.01	0.47	13.81	2.48
Imports from subject country in relation to consumption in India	%	14.44	9.80	9.42	12.40
Imports from subject countries in relation to Production in India	%	14.30	9.64	9.44	12.39

41. The Authority notes that imports from subject country declined till 2011-12 and thereafter increased in the POI. It is further noted that imports of subject goods from subject country remains significant in relation to production in India.

K. PRICE EFFECT

Price effect of dumped imports and impact on domestic industry

42. The impact on the prices of the domestic industry on account of imports of the subject goods from the subject country have been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression. For the purpose of this analysis the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of subject goods of the domestic industry have been compared with landed value of imports from the subject country. A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the landed value of dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, rebates, discounts and commission offered by the domestic industry have been adjusted. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The position is as follows:

Price Undercutting and Underselling:

43. The price undercutting/underselling effects are examined below:

Price Undercutting

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Net Sales Realization	Rs./Mt	***	***	***	***
Trend	Index	100	95	99	103
Landed Price of Imports without ADD	Rs./Mt	61,460	74,470	68,180	79,430
Trend	Index	100	121	111	129

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Price Undercutting without ADD	Rs./Mt	***	***	***	***
Trend	Index	100	59	81	66
Price Undercutting without ADD	%	***	***	***	***
Range	%	30-50%	20-40%	30-50%	20-40%
Landed Price of Imports with ADD	Rs./Mt	84,567	1,02,468	93,813	1,09,292
Trend	Index	100	121	111	129
Price Undercutting with ADD	Rs./Mt	***	***	***	***
Trend	Index	100	(11)	48	(5)
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Range	%	15-25	Negative	5-15	Negative

Price Underselling

Particulars	UOM	POI
Non-Injurious Price of DI	Rs./Mt.	***
Landed value without ADD	Rs./Mt.	79,430
Landed value with ADD	Rs./Mt.	1,09,292
Price Underselling without	Rs./Mt.	***
Price Underselling with ADD	Rs./Mt.	***
Price Underselling without	%	***
Price Underselling with ADD	%	***
Range		
Price Underselling without		50-60
Price Underselling with ADD		5-15

44. The Authority notes that without ADD, the landed price of imports is far below the selling price of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting. However, both with and without ADD, the landed price of imports is substantially less than the non-injurious price of the domestic industry, thereby resulting in significant price underselling effect.

Price Suppression and Depression

45. To examine the price suppression and depression effects of the dumped imports on the domestic prices, the trend of net sales realization of the domestic industry has been compared with the cost of sales. The given data shows that the domestic industry's selling price has remained below its cost of sales throughout the injury period except in 2009-10, signifying existence of price suppression effect.

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cost of Sales	Rs./Mt	***	***	***	***
Trend	Index	100	112	118	116
Net Selling price	Rs./Mt	***	***	***	***
Trend	Index	100	95	99	103
Profit/loss	Rs./Mt	***	***	***	***
Trend	Index	100	(1,333)	(1,565)	(1,047)

Landed Price	Rs./Mt	61,460	74,470	68,180	79,430
Trend	Index	100	121	111	129

Impact on the Domestic Industry

Production, capacity and capacity utilization

46. The Authority notes that capacity for the product under consideration was enhanced by the domestic industry. Despite significant demand in the domestic market, production and capacity utilization of the Domestic Industry declined during the POI as compared to the base year.

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Capacity	MT	7,100	8,325	8,884	8,979
Domestic Production	MT	6,422	6,068	5,681	5,882
Capacity Utilization	MT	90%	73%	64%	66%
Trend		100	81	71	72

Sales of the domestic industry

47. Sales volume of domestic industry are given in the following table :

Particulars		2009-10	2010-11	2011-12	POI
Domestic Sales	MT	5,148	5,173	4,891	4,911
Trend		100	100	95	95
Demand	MT	8,241	7,724	7,400	7,577
Trend		100	94	90	92

The Authority notes that the sales volume of the domestic industry declined during the POI as compared to the base year.

Profit/loss, return on investment and cash flow

48. The return on investment, profit/loss before and after interest and cash profit are as shown in the table below:

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cost of Production	Rs./Mt	***	***	***	***
Trend	Index	100	112	118	116
Net Selling price	Rs./Mt	***	***	***	***
Trend	Index	100	95	99	103
Profit/loss	Rs./Mt	***	***	***	***
Trend	Index	100	(1,333)	(1,565)	(1,047)
Profit/loss	Rs./Lakh	***	***	***	***
Trend	Index	100	(1,339)	(1,487)	(999)
Profit/loss before interest	Rs./Lakh	***	***	***	***
Trend	Index	100	(282)	(332)	(213)
Cash Profit	Rs./Lakh	***	***	***	***
Trend	Index	100	(529)	(578)	(374)
Capital Employed	Rs./Lakh	***	***	***	***
Trend	Index	100	111	87	90
Return on capital Employed	%	***	***	***	***

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Trend	Index	100	(254)	(380)	(236)

49. The Authority notes that profit, cash profit and return on investment have declined and the domestic industry started suffering losses from 2010-11 onwards.

Inventories:

50. Inventories with the domestic industry have been as under. The Authority notes that average inventories with the domestic industry have increased substantially during the POI in comparison to base year.

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	119	91	108

Employment, wages and Productivity

51. The employment and wages position of the domestic industry are as follows:

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Employment	NO	***	***	***	***
Trend	Index	100	94	91	88
Wages	Rs. Lakh	***	***	***	***
Trend	Index	100	144	146	121
Productivity per day	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	94	88	92
Productivity per Employee	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	100	97	104

52. The Authority notes that employment level has declined and wages paid have increased during the POI as compared to base year. The Authority notes that productivity per day has decreased with decline in production.

L. Magnitude of Dumping Margin

53. The Authority notes that the dumping margin of the exports of the subject goods from the subject country is positive and above de-minimis.

M. Growth

54. The Authority notes that the domestic industry has shown negative growth in terms of profit and return on capital employed despite of Anti-Dumping Duty in force.

Particulars	Unit	2010-11	2011-12	POI
Production	%	-5.51	-6.37	3.53
Profit	%	-1433	17	-33
ROI	%	-354	50	-38

Factors Affecting Domestic Prices

55. The examination of the import prices from the subject country and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc shows that without the anti-dumping duty the landed value of imported material from the subject country is below the selling price and the non-injurious price of the domestic industry, causing significant price undercutting as well as price under selling, both with and without anti-dumping duty, in the Indian market. It is also noted that the demand for the subject goods was showing significant increase during the POI and therefore it could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is landed value of subject goods from subject countries.

Ability to raise Capital Investment

56. The ability to raise capital investment in the event of dumping is not relevant since the domestic industry is a multi-product industry.

N. Other Known Factors & Causal Link

57. The Authority has examined whether other known factors could have caused injury to the domestic industry as follows:

Volume and Prices of imports not sold at dumped prices

58. The Authority notes that Imports of product under consideration from other countries are either negligible or the export prices are higher.

Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers

59. The Authority notes that the subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. Further there is no perceptible competition among the domestic producers, except that is obvious of a market economy.

Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

60. The Authority notes that there is some decline in the demand of the subject goods over the investigation period. However, it is noted that the domestic industry is not able to sell even to the extent of existing demand.

Export performance

61. As per the information given in table below, export sales of the domestic industry have substantially increased during POI as compared to the base year. Therefore, trend in exports is not a possible cause of injury to the domestic industry. However, the data with respect to domestic sales has been examined separately.

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Exports	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	131	92	121

O. Likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury

Submissions by Domestic Industry

62. The domestic industry has made the following submissions with regard to likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury:-
- There is continued dumping of the product under consideration from China. Dumping of the product under consideration is likely to intensify from the subject country should the current anti-dumping duty be revoked;
 - The landed price of Chinese imports is lower than the selling price, and even cost of sales, of the Domestic Industry. The Chinese producers would therefore aggressively target Indian market in the event of cessation of duty.
 - Exporters in the subject country have capacities far in excess of Indian demand. The Chinese capacity for subject goods are as follows:

S. No.	Producers In China	Supply ability (MT/Year)
--------	--------------------	--------------------------

1	Shanxi Linfen Chemicals Dyeing Co. Ltd	30,000
2	Dalian Dyechem International Corporation	12,000
3	Tianjin Kaiyi Chemical Factory	36,000
4	Hangzhou Ruijiang Chemical Co. Ltd	60,000
5	Zhengding Shengguo Chemical factory	9,600
6	Tianjin Xibeier International Co. Ltd	6,000
7	Tangshan C&M Trading Co. Ltd	30,000
8	Shaoxing Sunday Textile & Chemical Co. Ltd	1,200
9	Afine Chemicals Ltd	5,000
10	Dalian Huacheng Fine Chemical Co. Ltd	5,000
11	Tianjin Tiger International Co. Ltd	12,000

- iv. The sole responding producer has itself claimed that they are further expanding their capacity by around 3000MT. Considering the known capacities available with some of the Chinese producers, as seen in the table above, the Indian demand of less than 8,000 MT can be easily met entirely by dumped imports. Once the anti-dumping duty is revoked, there is a strong likelihood that the entire Indian demand may be catered by the Chinese producers. Further, the intensity of dumping is likely increase in the event of revocation of anti-dumping duties.
- v. Chinese suppliers are faced with sluggish domestic demand of the subject goods. Therefore given a situation when there is a significant demand supply gap in China, the producers from China are looking for market opportunities to utilize their capacities. Therefore, with such massive capacity and sluggish domestic demand, the Indian market of mere demand 7270 MT could be entirely eaten up by the subject country, in the event of revocation of anti-dumping duty.
- vi. Chinese exports to third countries have declined in last few years. Therefore, cessation of present anti-dumping duty shall imply significant opportunity to the Chinese producers.
- vii. Considering the known capacities available with some of the Chinese producers, the Indian demand of less than 8,000 MT can be easily met entirely by dumped imports. Once the anti-dumping duty is revoked there is a strong likelihood that the entire Indian demand may be catered by the Chinese producers.
- viii. The exporters from China have very high export orientation worldwide. Hence, the dumping and injury is likely to occur at aggravated level in case the existing anti-dumping duties are revoked.
- ix. In the current Period of Investigation, the volume of dumped imports has remained significant, and the dumping margin is also quite significant. This clearly establishes that the dumping is likely to continue and indeed intensify in the event of revocation of present anti-dumping duty. Significant current dumping margin in the presence of anti-dumping duty is a strong indication of likelihood of dumping.
- x. The information on exports from China to global markets shows that Chinese exports to third countries have declined in last few years, thus increasing unutilized capacities with the Chinese producers. Therefore, cessation of present anti dumping duty shall imply significant opportunity to the Chinese producers.
- xi. Dumped imports from the subject country have remained significant and continue to hold significant market share. Further, there has been a significant price undercutting by the dumped imports from the subject country. Thus, cessation of anti-dumping duty shall cause significant price suppressing and depressing effect.
- xii. The Domestic Industry has suffered continued injury from the dumped imports. Domestic Industry is vulnerable to injury from dumped imports. Current levels of import volumes and dumping margin from the subject country creates great possibility that expiry of duty will result in intensified dumping of subject goods from the subject country in the Indian market given the fact that subject country holds excessive capacities.

Examination by the Authority

63. The present investigation is a sun set review of anti-dumping duties earlier imposed on imports of Sulphur Black from China PR. Under the Rules, the Authority is required to determine whether continued imposition of anti-dumping duty is warranted. This also requires a consideration of whether the duty imposed is serving the intended purpose of eliminating injurious dumping. In this case, as there are continued dumped imports, the Authority is required to examine whether revocation of duty is likely to lead to continued dumping of the product. Exporters and producers from the subject country are exporting the subject goods at dumped prices. In the original investigation also dumping margin was significant. In such a situation, the Authority has no reason to believe that dumping will not intensify if the duty is revoked.

Level of current and past dumping margin

64. Considering the dumping margin determined by the Authority in the original investigation and the dumping margin now assessed, it is quite evident that the exports continued to be made at dumped prices and is likely to continue with revocation of anti-dumping duties. Volume of imports declined in 2010-11 and has thereafter increased and has remained significant throughout the injury period even after imposition of anti-dumping duties. Further, the volume of imports is likely to increase further in the event of revocation of anti-dumping duties, given the significant price undercutting without the anti-dumping duty and underselling effects both with and without the anti-dumping duty during the POI.

Price attractiveness of Indian market

65. The price at which the subject goods are being exported by China PR to India is an indicator of the likelihood of continuation of dumping. At the landed price in India, there is significant undercutting without anti-dumping duty. Thus, with the revocation of anti-dumping duties, the Indian prices would be too attractive to the Chinese exporters and there is strong likelihood that Indian consumers would import substantially due to increasing demand.

Significant capacities with subject country

66. As claimed by domestic industry there are at least 9 producers of the subject goods in China holding a combined production capacity of more than 3,50,000 MT. The Indian demand of subject goods is just a miniscule of the Chinese capacity. In the event of revocation of anti-dumping duty and considering the Chinese export orientation, the producers of China are capable of completely overtaking the Indian manufacturing sector engaged in subject goods

Export orientation of the subject country

67. From the information made available by the domestic industry, it is evident that the Chinese producers/exporters are highly export oriented. Considering the high favourable market conditions for the subject goods in India and the high production capacity and export orientation of the Chinese producers, the Authority holds that if the existing anti-dumping duties are withdrawn, the entire demand for the subject goods in India can be catered by the Chinese producers by replacing the Indian producers.

P. Magnitude of Injury and injury margin

68. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during the POI. The injury margin has been determined as under:

Particulars	Unit	Amount
Non injurious price of the domestic industry	Rs/Mt	***
Landed price of imports	Rs/Mt	79,430
Injury margin	Rs/Mt	***
Injury margin %	%	***
Injury margin % Range	%	50-60

Q. Post Disclosure Comments

69. The following are the post-disclosure comments made by the domestic industry:
- Product under consideration continues to be exported to India at dumping prices from the subject country.
 - Both dumping margin and injury margin in the current POI are positive.
 - Domestic industry has suffered continued injury in spite of existing anti dumping duties.

- d. The anti dumping duty is required to be extended further for a period of five years.
 - e. The form of anti dumping duty is required to be kept same as the present form.
70. The following are the post-disclosure comments made by the concerned Chinese producer and exporter:
- a. Dalian Dyechem International Corporation, China PR cannot provide reasons for any discrepancy between the sales data reported by the importers and as reported by Dalian Dyechem International Corporation, China PR.
 - b. The invoice value reported by Dalian Dyechem International Corporation, China PR is as per actual Invoice raised by the exporter.
 - c. Data submitted by Dalian Dyechem International Corporation, China PR is factually correct and should be accepted by DGAD.

Examination by the Authority

71. Authority notes that the post disclosure comments made by the domestic industry and other interested parties are mostly reiterations of their earlier submissions, which have already been addressed in this final finding. As regards the request of the domestic industry for continuation of the same form of anti-dumping duty as in the original investigation, the Authority notes that despite imposition of the ad valorem anti-dumping duties, the dumping of the subject goods, originating or exported from the subject country, continued significantly.

R. Indian industry's interest and other issues

72. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.
73. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

S. Conclusions

74. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in this final finding and on the basis of the above analysis of the state of continuation of dumping and consequent injury and likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:
- (a) The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and the dumping margin is above de-minimis and significant.
 - (b) Chinese exports of the subject goods are causing significant price undercutting. Further, the injury margin is positive and significant.
 - (c) Chinese exports of the subject goods are causing significant price underselling both with and without anti-dumping duty.
 - (d) During the POI, the domestic industry has shown negative growth in terms of the economic parameters such as production, domestic sales, capacity utilization, profit, profitability, ROCE. The dumped imports continue to cause injury to the domestic industry.
 - (e) Should the present anti-dumping duties be revoked, dumping of the subject goods from the subject country is likely to get intensified causing further injury to the domestic industry.

T. Recommendations

75. Having concluded as above, the Authority is of the view that the anti-dumping measure is required not only to be extended, but also to be revised in respect of imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, as specified in the duty table below.

76. The Authority notes that despite imposition of the ad valorem anti-dumping duties, the dumping of the subject goods, originating or exported from the subject country, continued significantly. In view of the above stated position, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty in fixed form as a more effective measure. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col. 9 of the table below is recommended to be imposed concerning all imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, by the Central Government.

Duty Table

Sl. No.	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amt.	Unit of Measure	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	3204	Sulphur Black	In All forms and strength	China PR	China PR	Any	Any	766	MT	US\$
2	3204	Sulphur Black	In All forms and strength	China PR	Any other than China PR.	Any	Any	766	MT	US\$
3	3204	Sulphur Black	In All forms and strength	Any other than China PR.	China PR	Any	Any	766	MT	US\$

U. Further Procedures

77. An appeal against this order, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975.

J. K. DADOO, Designated Authority.